सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रविंद्र जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट नहीं आया है। ऑलराउंडर, अभिषेक टी20 में शीर्ष पर पहुंच -पेज: 7

फैशन को लेकर बेफिक्र रणदीप बोले, कपड़े नहीं, अंदाज मायने रखता है -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 112 | गुरुवार 31 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

राष्ट्रवाद को फासीवाद और सेना के शौर्य को तमाशा कहने वाले विपक्ष से देश की हिफाजत की उम्मीद है?

उनसे यह देश यह पूछना चाहता है कि आप किसका साथ दे रहे हैं? देश का या उस विचारधारा का जो हर बार भारत को भीतर से तोड़ने की कोशिश करती है? हमारी सेना के पराक्रम को बल्कि ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा बताए

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हाल ही में जब 28 जुलाई को संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर जानकारी दे रहे थे, ठीक उसी दिन भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड सहित तीन आतंकवादियों को मार गिराया। जिस अभियान ने सीमाओं के पार भारत की आत्मरक्षा का संदेश दिया, वह एक ओर देशभक्ति और सामरिक साहस का प्रतीक बना तो दूसरी ओर उसे दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक बहस का केंद्र बनाने की कोशिश हो रही है। न सिर्फ पूरे देश ने बल्कि दुनिया ने भी जिस ऑपरेशन सिंदूर का लोहा माना वहीं विपक्ष सेना के शौर्य पर सवाल उठाता नजर आया। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण क्या होगा कि भारत की संप्रभुता की हुंकार को लोकतंत्र के मंदिर में बैठ कर तमाशा बताया जाए। देश की परवाह थी तो इस बात का करते विरोध अजीब विडंबना है कि -43 डिग्री सेल्सियस तापमान में डंटे रहकर जो जांबाज हमारे देश की शरहदों की रक्षा कर रहे हैं उनके शौर्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं तो कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा बताए जाने पर पूरे विपक्ष के मुंह में दही जम जाता है। क्या वाकई इन्हें देश की परवाह है? अगर ऐसा होता तो देश की सेना के शौर्य और शहादत का मजाक बनाने वाले इस बयान का पूरा विपक्ष विरोध करता न कि यह पूछा जाता कि हमारे कितने फाइटर जेट गिरे? जबकि न सिर्फ अधिकारिक तौर पर बल्कि सैन्य कार्यवाई के जरिए इन सारे सवालों का जवाब पहले ही दिया जा चुका है। देश की सुरक्षा को कमजोर करने का प्रयास जिस अभियान ने भारत की आत्मरक्षा का संदेश पूरी दुनिया को दिया, उस पर विपक्ष के कुछ नेताओं ने जिस गैरजिम्मेदाराना तरीके से सवाल उठाए, वह न केवल सेना का अपमान है बल्कि देश की सुरक्षा को भी कमजोर करने वाली मानसिकता को उजागर करता है। इतना ही नहीं संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने खुद ऑपरेशन महादेव में मारे गए आतंकवादियों के बारे में पुष्टि की। ये दरिंदे पहलगाम आतंकी हमले में शामिल थे। इस जानकारी के बाद भी विपक्ष अपने ऐजेंडे पर ही अड़ा रहा। ऑपरेशन सिंदूरः भारत का साहसी प्रतिकार हालांकि विपक्ष का यह रवैया कोई नया नहीं है। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले में जब निर्दोष नागरिकों की जान गई, तब पूरा देश आक्रोशित था। विपक्ष उस समय भी सरकार पर निशाना साध रहा था क्या करेगी सरकार? लेकिन जब जवाब दिया गया, तो वही लोग सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाने लगे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। 100 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए गए। यह कार्रवाई एक सैन्य कौशल का प्रमाण है। सटीक निशाना, शून्य नागरिक हानि और आतंक का सीधा सफाया लेकिन कुछ राजनैतिक दल फिर भी हमेशा की तरह देश की सेना के शौर्य पर सवाल उठाने से नहीं चूके। पाकिस्तान को क्लीन चिट या राजनीतिक दुर्भावना? गृह मंत्री अमित शाह की इस बात में दम है कि आतंकियों के पास से पाकिस्तान के वोटर कार्ड, पाकिस्तानी हथियार, पाक निर्मित चॉकलेट मिलते हैं तब भी कुछ लोग पाकिस्तान पर सवाल नहीं करते बल्कि सरकार पर करते हैं। क्यों? पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने इसका जवाब यह कहकर दिया कि ये आतंकी स्थानीय हो सकते हैं, न सिर्फ पाकिस्तान को परोक्ष राहत देने की कोशिश की बल्कि भारतीय एजेंसियों की जांच पर भी संदेह जताया। एक वरिष्ठ नेता का ऐसा बयान देश की सुरक्षा नीति के प्रति नासमझी और राजनीतिक हठधर्मिता को उजागर करता है।

दिल्ली पुलिस वीडियो मामले में ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज, बंगाल सीएम बोलीं- बांग्लाभाषी प्रवासियों पर हो रहा अत्याचार

कोलकाता (एजेंसी): बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को विभिन्न राष्ट्रीय आयोगों और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी लोगों पर कथित अत्याचारों पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय आयोगों ने आंखें मूंदीं- ममता बनर्जी बीरभूम जिले में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में ममता ने सवाल उठाया कि विभिन्न केंद्रीय आयोग बंगाल में किसी को छिपकली भी काट ले तो तुरंत कार्रवाई करते हैं, लेकिन जब भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है या उन्हें जिंदा जला दिया जाता है, तो वे चुप रहते हैं। मुख्यमंत्री ने दूसरे राज्यों में रह रहे बंगाल के प्रवासी कामगारों से घर लौटने का आग्रह किया। आश्वासन दिया कि बंगाल में अब काम की कोई दिक्कत नहीं है। सुवेंदु ने ममता पर फर्जी वीडियो साझा करने का आरोप लगाया भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दिल्ली पुलिस द्वारा एक बांग्ला भाषी महिला और उसके बच्चे की पिटाई करने का फर्जी वीडियो पोस्ट करने का भी आरोप लगाया और इसे भ्रामक बताया।

तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक, बिहार चुनाव को लेकर बन गया यह बड़ा प्लान

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तैयारियां जोरों पर है। आज राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के पटना स्थित आवास पर महागठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि आज महागठबंधन की समन्वय समिति की बैठक हुई। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार सरकार 71,000 करोड़ रुपये का ब्योरा नहीं दे सकी। यह आंकड़ा लगभग 80,000 करोड़ रुपये है; यह एक बड़ा घोटाला है। राज्य में अब तक 100 से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं और सीएम अभी भी बेहोश हैं। राजद नेता ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम लोग जनता के बीच जाएंगे। इसे लेकर आज बैठक में चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि राखी के बाद हम महागठबंधन के सभी बड़े नेता जो राष्ट्र स्तर के नेता हैं जनता के बीच जाएंगे मैं खुद भी जनता के बीच जाऊंगा। वहीं, राज्य एआईसीसी प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह बैठक नियमित आधार पर हो रही है, और चुनाव से जुड़ी हर चीज पर चर्चा की जाएगी। सीट बंटवारे से लेकर प्रचार तक, हर चीज पर चर्चा होगी। इस बार कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक गठबंधन के सभी दलों ने 243 सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि जिन विषयों पर प्रगति हुई है, उन सभी पर हम चर्चा करेंगे। हमें विश्वास है कि हम फिर से बेहतर प्रगति करेंगे। सीटों का बंटवारा होना है। हालाँकि, आप जो सुन रहे हैं वह सच नहीं है। सच्चाई यह है कि हम बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं, और हम हर मुद्दे पर अपने गठबंधन को मजबूती से आगे ला रहे हैं। डरे हुए लोग हमारे सहयोगियों को प्रस्ताव देते रहेंगे, लेकिन हमारे गठबंधन के सभी सहयोगी एकजुट हैं। आरजेडी नेता रणविजय साहू ने कहा कि बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। नीतीश कुमार जिस तरह तेजस्वी यादव की नकल कर रहे हैं, उसके लिए एक कहावत है, 'नकल के लिए भी अकल चाहिए।' अब जब सरकार को जानकारी नहीं है, तो बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि क्यों न तेजस्वी यादव को सीएम बनाया जाए... सीट बंटवारे को लेकर कोई झगड़ा नहीं है।

ट्रंप झूठ बोल रहे कहने की साहस नहीं, खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावे को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार में यह कहने का साहस नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं, जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने की बात कही थी। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया थी जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। खड़गे ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने कल कहा था कि मेरे भाषण के अंत तक यह संख्या 30 (डोनाल्ड ट्रंप का भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पर बयान) हो जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार यही कहते रहे, लेकिन उनमें यह कहने का साहस नहीं है कि वह झूठ बोल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनमें यह कहने का साहस नहीं है कि हम इस तरह की बकवास बर्दाश्त नहीं करते। 'दाल में कुछ काला है', इसलिए वे कुछ नहीं कह रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्रंप को सीधे तौर पर झूठा न कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो पूरा सच सामने आ जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि ट्रंप वर्तमान में युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता का दावा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच चल रही व्यापारिक वाताओं के बीच भारत पर दबाव बनाना है। गांधी ने मीडिया से कहा कि जाहिर है कि प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा है कि ट्रंप ने झूठ नहीं बोला है। सबको पता है कि क्या हुआ है; वे बस यह नहीं कह पा रहे हैं कि समस्या यही है। सच्चाई यही है: अगर प्रधानमंत्री (कुछ) कहते हैं, तो वह (डोनाल्ड ट्रंप) खुलकर कहेंगे, तब पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। इसीलिए यह नहीं कहा जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बार-बार यह स्पष्ट किए जाने के बावजूद कि अमेरिका या कोई अन्य देश भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने के निर्णय में शामिल नहीं था, डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने का दावा किया है। हाल ही में 29 जुलाई (स्थानीय समय) को, राष्ट्रपति ट्रम्प ने एयर फोर्स वन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, क्षेत्रीय स्थिरता में भूमिका के लिए

डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर राहुल गांधी ने किया रिएक्ट, पीएम मोदी का नाम लेकर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम और टैरिफ पर दिए गए बयान पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि स्पष्ट है, प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि वह बोल नहीं पा रहे हैं। यही हकीकत है। अगर पीएम मोदी बोलेंगे, तो वह (डोनाल्ड ट्रंप) खुलकर बातें कहेंगे और पूरा सच सामने रखेंगे, इसीलिए वह (पीएम मोदी) बोल नहीं पा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा वो कह क्यों रहा है? क्योंकि वो अपनी ट्रेड डील चाहता है, तो वो वहां पे दबेएगा इनको। आप देखिए कैसी ट्रेड डील बनती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर पाकिस्तान की बोलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल रोकने के लिए नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और इसे लेकर विपक्षी दलों के सवालों की पृष्ठभूमि में कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम हमला भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में इंदिरा गांधी का 50 प्रतिशत भी साहस है तो उन्हें सदन में बोलना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का दावा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने असत्य बात कही है।

कान खोलकर सुन लें, मोदी-ट्रंप की नहीं हुई बात; राज्यसभा में किस पर भड़के जयशंकर?

नई दिल्ली (एजेंसी): विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग इतिहास से घबराते हैं। उन्होंने यह तंज सिंधु जल संधि को लेकर कसा, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद स्थगित कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष कई बार सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि ट्रंप ने भारत-पाक के बीच सीजफायर समझौता कराया है, हालांकि भारत सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है। राज्यसभा में ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक भी फोन राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में नहीं हुआ। जयशंकर ने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा, कुछ लोग इतिहास को भूल जाना चाहते हैं। शायद यह उन्हें सूट नहीं करता। वे सिर्फ वही बातें याद रखना चाहते हैं जो उनके मन को भाए। नेहरू की नीतियों पर उठाए सवाल जयशंकर ने 1960 में जवाहरलाल नेहरू के संसद में दिए बयान को याद किया। उन्होंने कहा, 30 नवंबर 1960 को नेहरू ने कहा था कि संसद को पानी की मात्रा या पैसे के लेन-देन पर फैसला नहीं करना चाहिए। लोगों ने इसका विरोध किया था। नेहरू ने कहा था कि यह संधि पाकिस्तानी पंजाब के हित में है। लेकिन उन्होंने कश्मीर, पंजाब, राजस्थान या गुजरात के किसानों के बारे में एक शब्द नहीं कहा। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह संधि उस समय की गलत नीतियों का नतीजा थी। उन्होंने कांग्रेस की सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह इतिहास से सबक लेने को तैयार नहीं। मोदी सरकार ने सुधारी गलतियां जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेहरू की गलतियों को सुधारने का काम किया है। उन्होंने कहा, हमें 60 साल तक बताया गया कि कुछ नहीं हो सकता। नेहरू की गलतियां सुधारी नहीं जा सकतीं। लेकिन मोदी सरकार ने दिखाया कि यह मुमकिन है। आर्टिकल 370 को खत्म किया गया और अब सिंधु जल संधि को भी सुधारा जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह बंद नहीं करता, यह संधि स्थगित रहेगी। हमने चेतावनी दी है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। जयशंकर ने कहा कि भारत अब पुरानी गलतियों को दोहराने नहीं जा रहा। उन्होंने पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए कहा कि आतंकवाद और जल संधि साथ-साथ नहीं चल सकते। हमने साफ कर दिया है कि अगर पाकिस्तान अपनी नीतियां नहीं बदलता, तो भारत इस संधि पर अमल नहीं करेगा।

राहुल गांधी के किस बयान पर भड़के गिरिराज सिंह, कहा- नेता प्रतिपक्ष से ऐसी उम्मीद नहीं थी

मंगलवार को, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना की और संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान का हवाला देते हुए...

बिहार (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के नेता प्रतिपक्ष सैन्य अभियानों में मजा ढूंढ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'बड़ा मजा आ गया, अभी तो मजा आया ही है।' नेता प्रतिपक्ष से ऐसी उम्मीद नहीं थी। ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव मजाक के लिए नहीं थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के नेता प्रतिपक्ष सैन्य अभियानों में मजा ढूंढ रहे हैं। मंगलवार को, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना की और संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भारत ने पाकिस्तान को उसकी सीमाएँ दिखा दीं और उसके पास लड़ने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। यह बात लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा मंगलवार को दिए गए उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि मौजूदा सरकार में पाकिस्तान से मुकाबला करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है, जैसा कि 1971 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार में था। उन्होंने 1971 के युद्ध, जिसके कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ, और ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुलना करते हुए कहा कि सरकार का संकल्प तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व के संकल्प के आसपास भी नहीं है। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का उपयोग करने के लिए 100% राजनीतिक इच्छाशक्ति और पूर्ण स्वतंत्रता की आवश्यकता होती है, जिसका उनका मानना है कि मौजूदा सरकार में अभाव है। राहुल गांधी ने कल लोकसभा में राजनाथ सिंह की उस टिप्पणी का ज़िक्र किया जिसमें रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तुलना 1971 के युद्ध से की थी। उन्होंने कहा कि कल, राजनाथ सिंह जी ने 1971 के युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर की तुलना की थी, और मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि 1971 में राजनीतिक इच्छाशक्ति थी... 1971 में, भारत में राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। इंदिरा गांधी ने सैम मानेकशॉ को पूरी आजादी दी थी, यहाँ तक कि जब अमेरिकी जहाज भारत में घुस आए थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान और इंडोनेशिया के डिफेंस अताशे कैप्टन शिव कुमार की टिप्पणियों का ज़िक्र करते हुए, राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि भारत ने अपने लड़ाकू विमान इसलिए गंवाए क्योंकि सशस्त्र बल राजनीतिक नेतृत्व के दबाव में थे।

संपादकीय

खुदकुशी चिंता का सबब

देश में सालों से प्रतिदिन छात्र खुदकुशी कर रहे हैं। यह किसी मूक महामारी की तरह नयी पौध को चपेटे में ले रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी खड़गपुर व ग्रेटर नोएड़ा की शारदा यूनीवर्सिटी में हुई आत्महत्याओं पर स्वतः संज्ञान लिया। पीठ ने पूछा छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? अदालत दोनों संस्थानों से इस पर जवाब पहले ही मांग चुकी है। चूंकि दोनों ही मामलों में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है इसलिए बहरहाल चार सप्ताह के लिए सुनवाई स्थगित कर दी। इसी दौरान अदालत के संज्ञान में आया कि 4 जून को दिल्ली आईआईटी में छात्र द्वारा की गई खुदकुशी पर अब तक एफआरआई भी नहीं दर्ज की गयी है। सबसे बड़ी अदालत ने शारदा यूनीवर्सिटी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। साथ ही खड़गपुर आईआईटी में बीते सात महीनों में हुई चार छात्रों की मौत के कारणों को पता लगाने को भी कहा। दोनों संस्थानों द्वारा उनके आचरण पर दिए जवाबों पर पीठ ने कहा हम यह अपने बच्चों और संतानों के लिए कर रहे हैं। अदालत ने मई में देश भर में छात्रों की आत्महत्या के व्यापक मुद्दे और इस समस्या के समाधान के लिए जरूरी व्यवस्थागत बदलाव की जांच के लिए राष्ट्रीय कार्यबल का गठन भी किया है। जो सितम्बर में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दे सकती है। देश में छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याएं चिंताजनक स्थिति पर पहुंच चुकी हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रतवर्ष तेरह हजार से ज्यादा छात्र अपनी जान खुद लेते हैं, जिनमें परीक्षाओं में असफल होने वाले छात्रों की भी काफी संख्या में होती है। पढ़ाई का बेजा दबाव, समाजिक/पारिवारिक स्थितियां, बदलते मानदंड़, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बच्चों से अपेक्षाएं छात्रों पर चौतरफा आघात करते हैं। असफलता व हताशा से जूझने की उन्हें कोई किरण नजर नहीं आती। शिक्षकों का सारा दबाव परीक्षा में अव्वल आने का होता है। उन्हें प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी शिक्षण संस्थानों को निभानी होगी। छात्रों की मानसिक दशा को लेकर न तो परिवार गंभीर होते हैं, न ही शिक्षण संस्थान। विशेषज्ञ कहते हैं, खुदकुशी का विचार बार-बार आता है। ऐसे हताश, तनावग्रस्त व अवसाद वालों को मनोवैज्ञानिक मदद के सहारे काफी हद तक उबारा जा सकता है। हैरत है, परीक्षा के दबाव पर 'मन की बात' करने वाले प्रधानमंत्री ने भी इस समस्या को कभी तवज्जो नहीं दी। अदालत द्वारा इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया जाना सर्वोच्च संवेदनशीलता का द्योतक है। सरकारों और शिक्षण संस्थाओं को सख्त हिदायतें दी जाएं और ऐसे दंड़ का प्रावधान हो, जिससे ये छात्रों के जीवन से खिलवाड़.करना बंद करने को मजबूर हों।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं। कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मुंशी प्रेमचंदः जिनकी कहानियों में सांस लेता है भारत

योगेश कुमार गोयल

आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह और उपन्यास सम्राट महान् कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपने लेखन के माध्यम से न सिर्फ दासता के विरुद्ध आवाज उठाई बल्कि लेखकों के उत्पीड़न के विरुद्ध भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उपन्यासों और कहानियों के अलावा नाटक, समीक्षा, लेख, संस्मरण इत्यादि कई विधाओं में साहित्य सृजन किया। प्रेमचंद ऐसे कहानीकार और साहित्यकार थे, जिन्हें आज भी सबसे ज्यादा पढ़ा जाता रहा है। उन्हें 'आम आदमी का साहित्यकार' भी कहा जाता है। चूंकि उनकी लगभग सभी कहानियां आम जीवन और उसके सरोकारों से ही जुड़ी होती थी, इसीलिए उनके सबसे ज्यादा पाठक आम लोग रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने सम्पूर्ण साहित्य लेखन में एक आम गरीब आदमी की पीड़ा को न केवल समझा बल्कि अपनी कहानियों और उपन्यासों के जरिये उसका निदान बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने अपनी लगभग सभी रचनाओं में आम आदमी की भावनाओं, उनकी परिस्थितियों, समस्याओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक शब्दांकन किया। आज भी हिन्दी भाषी दिग्गज लेखकों और साहित्यकारों का यही मानना है कि मुंशी प्रेमचंद जैसा कलमकार हिन्दी साहित्य में न आज तक कोई हुआ है और न होगा। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को सदैव रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों से निकालने का प्रयास किया। उन्हें 'हिन्दी साहित्य का माइलस्टोन' भी कहा जाता है।

कम ही लोग यह जानते हैं कि जो मुंशी प्रेमचंद हिन्दी लेखन के लिए इतने विख्यात रहे हैं, उन्होंने अपने लेखन की शुरूआत उर्दू से की थी। अपना पहला साहित्यिक कार्य उन्होंने गोरखपुर से उर्दू में शुरू किया था और 1909 में कानपुर के 'जमाना प्रेस' से उर्दू में ही उनका पहला कहानी-संग्रह 'सोज ए वतन' प्रकाशित हुआ था, जिसकी सभी प्रतियां ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थी। उस समय में वे उर्दू में 'नबावराय' के नाम से लिखते थे। उनका लिखा कहानी संग्रह जब्त करने के बाद 'जमाना' के सम्पादक मुंशी दयानारायण ने उन्हें परामर्श दिया कि भविष्य में अंग्रेज सरकार की नाराजगी से बचने के लिए नवाब राय के बजाय वे नए उपनाम 'प्रेमचंद' के नाम से लिखना शुरू करें। इस प्रकार वे नवाब राय से प्रेमचंद बन गए। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लमही गांव के डाक मुंशी अजायबलाल के घर 31 जुलाई 1880 को जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव उर्फ मुंशी प्रेमचंद की आज हम 145वीं जयंती मना रहे हैं। प्रेमचंद वकील बनना चाहते थे लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उनका वह सपना पूरा नहीं हो सका। मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी। उनकी दूसरी पत्नी शिवरानी ने ही बाद में उनकी जीवनी लिखी थी। अपने जीवन के आखिरी दिनों में प्रेमचंद जलोदर नामक बीमारी से ग्रसित हो गए थे और 8 अक्तूबर 1936 को दुनिया से अलविदा हो गए।

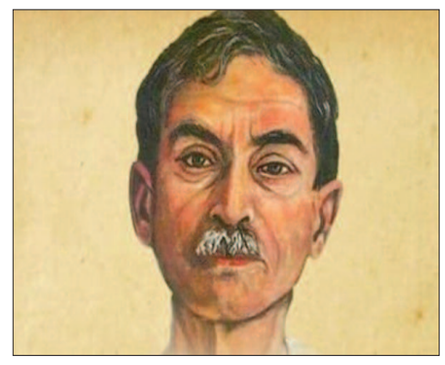

मुंशी प्रेमचंद एक दिन बालेमियां मैदान में महात्मा गांधी का भाषण सुनने गए और उनके विचारों से इस कदर प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और उसके बाद पूरी तरह से स्वतंत्र लेखन में जुट गए। अपने जीवनकाल में मुंशी प्रेमचंद ने कुल 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें और हजारों की संख्या में लेखों व संस्मरणों की रचना की। उनके चर्चित उपन्यासों में बाजार-ए-हुस्न (उर्दू में), गोदान, कर्मभूमि, गबन, सेवा सदन, कायाकल्प, मनोरमा, निर्मला, प्रतिज्ञा प्रेमाश्रम, रंगभूमि, वरदान, प्रेमा इत्यादि और कहानियों में पूस की रात, नमक का दरोगा, बूढ़ी काकी, कफन, मंत्र, नशा, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, बड़े भाईसाहब, बड़े घर की बेटी, उधार की घड़ी, जुमार्ना इत्यादि बहुत प्रसिद्ध रही। अपना अंतिम कालजयी उपन्यास 'गोदान' उन्होंने वर्ष 1936 में लिखा, जो बेहद चर्चित रहा और आज भी आधुनिक क्लासिक माना जाता है। प्रेमचंद की कुछ कहानियों पर उनके निधन के बाद फिल्में भी बनी। 1980 में उनके उपन्यास 'निर्मला' पर एक टीवी धारावाहिक भी बना, जो काफी लोकप्रिय हुआ था। 1938 में उनके एक उपन्यास 'सेवासदन' पर फिल्म बनी। 1963 में 'गोदान' और 1966 में 'गबन' उपन्यास पर फिल्में बनी। 1977 में उनकी कहानी 'कफन' पर फिल्मकार मृणाल सेन द्वारा 'ओका ऊरी कथा' नामक तेलुगू फिल्म बनाई गई, जिसे सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। उनकी दो कहानियों 1977 में उनकी एक कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' और 1981 में 'सद्गति' पर बॉलीवुड फिल्मकार सत्यजित राय ने फिल्में बनाई।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उपलब्धिः शतरंज में दिव्या का दिव्य रूप

मनोज चतुर्वेदी

दिव्या देशमुख ने मात्र 19 साल की उम्र में फिडे. महिला शतरंज विश्व कप का खिताब जीतकर शतरंज जगत में अपना डंका बजा दिया है। वह यह खिताब जीतने वाली अब तक की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। उन्होंने जॉर्जिया में आयोजित हुई इस चैंपियनशिप के फाइनल में हमवतन कोनेरू हम्पी को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय हैं। इस खिताबी जीत से वह ग्रैंड़मास्टर भी बन गई हैं। यह गौरव पाने वाली भारत की चौथी महिला हैं। इससे पहले हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली और वैशाली रमेशबाबू हैं।

दिव्या ने खिताब जीतने के साथ ग्रैंड़मास्टर बनने पर कहा, मुझे इस जीत को समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि मुझे इस तरह ग्रैंड़मास्टर खिताब मिलना नियति की बात थी। इससे पहले मेरे पास एक भी ग्रैंड़मास्टर नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंड़मास्टर बन गई हूं। सबसे कम उम्र में 2013 में फिडे.मास्टर बनने वाली दिव्या ने अपने 14 साल लंबे कॅरियर में ढेरों सफलताएं प्राप्त की हैं। उन्होंने 41 बार भारत का प्रतिनिधित्व करके 24 बार गोल्ड़ मेड़ल जीता है। इसमें पिछले शतरंज ओलंपियाड़ में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतना शामिल है। अभी कुछ ही माह पहले विश्व शतरंज चैंपियन बने ड़ी गुकेश की तरह ही दिव्या भी लंबी बाजियां खेलने में महारत रखती हैं। इस कारण ही गुकेश और दिव्या अन्य खिलाड़ियों से भिन्न नजर आते हैं। दोनों ने ही लगभग एक ही समय शतरंज खेलने शुरू किया। दिव्या कहती हैं कि इस विश्व कप को जीतने में तैयारियों की भूमिका अहम रही है। दिव्या के शुरूआती कोच श्रीनाथ नारायणन का कहना है कि दिव्या बहुत ही आक्रामक खिलाड़ी है। समय बीतने के साथ वह बहुमुखी प्रतिभा की धनी बनती जा रही है। एक अच्छी बात यह है कि वह सभी प्रारूपों में अच्छा खेलती है। दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी के बीच पहली दो बाजियां क्लासिकल शतरंज की बराबर रहने पर टाईब्रेकर में खेली गइ रेपिड़ बाजियों में दिव्या ने 2.5-1.5 अंकों से विजय पाकर यह उपलब्धि हासिल की है। दिव्या के लिए रैपिड़ बाजियों में हम्पी को फतह करने के खास मायने हैं। इसकी वजह यह है कि वह पिछले दिसम्बर में ही रेपिड़ शतरंज की दूसरी बार चैंपियन बनी थीं । वैसे भी वह रैंकिंग में भी पांचवें स्थान पर हैं और दिव्या तो टॉप दस खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थीं। दिव्या की तरह ही हम्पी ने भी बहुत छोटी उम्र में अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था। वह जूड़िट पोलगर को हराकर मात्र 15 साल, एक माह और 27 दिन की उम्र में ग्रैंड़मास्टर बन गई थीं। वह यह गौरव पाने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी होने के साथ दुनिया की सबसे कम उम्र में यह गौरव पाने वाली खिलाड़ी बन गई थीं। भारत की इन दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल खेले जाने से इस खेल में चीनी दबदबे की कहानी पर भी किसी हद तक विराम लग गया है। यह सही है कि भारत में सही मायनों में शतरंज की अलख जगाने वाले विश्वनाथन आनंद हैं। उन्होंने गैरी कास्पारोव की अगुआई वाले सोवियत संघ (मौजूदा रूस) के दबदबे को तोड़कर भारत को इस खेल में अग्रणी बनाया था। विश्व शतरंज पर भारतीय दबदबे के बारे में विश्व के नंबर दो खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा का कहना है कि भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले दो सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि यह भारतीय शतरंज का स्वर्णिम काल है। दिव्या के बारे में यह कहा जाता है कि वह दुर्घटनावश शतरंज खिलाड़ी बनी हैं और इस तरह बनी खिलाड़ी का इस मुकाम तक पहुंचना बहुत मायने रखता है। उनके हिसाब से उनकी बड़ी बहन बैड़मिंटन खेलती थी और माता-पिता उसके साथ जाते थे। दिव्या उस समय चार-पांच साल की थी और वह भी साथ जाने लगीं और उनके बैड़मिंटन खेलने में उनका नेट तक भी नहीं पहुंच पाना बाधा बनने लगा। इस कारण उसी हॉल में एक स्थान पर शतरंज होता था, उसे देखने लगीं। शतरंज देखने से उसमें ही मन रम गया और वह शतरंज खिलाड़ी बन गइ। दिव्या के शतरंज में जगे इस शौक का पिता ड़ाक्टर जितेंद्र और माता नम्रता ने अपने प्रयासों से नई ऊंचाइयां देने में मदद की। उन्होंने नागपुर के अपने निवास के करीब एक शतरंज अकादमी में उसका रजिस्ट्रेशन करा दिया।

हमारे यह कहा जाता है कि पूत के पांव पालने में दिखते हैं, दिव्या ने भी मात्र दो साल की कोचिंग में रंग दिखाना शुरू कर दिया। वह 2012 में पुडुचेरी में ही राष्ट्रीय शतरंज में अंड़र-7 का राष्ट्रीय खिताब जीतने में सफल हो गई। इसके बाद दिव्या ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय शतरंज क्षितिज पर चमकना शुरू कर दिया। दिव्या 2020 आने तक भारतीय ओलंपियाड़ टीम की नियमित सदस्य बन गई और उनकी गिनती देश की दिग्गज खिलाड़ियों में होने लगी। इसका फायदा यह हुआ कि उन्हें नियमित तौर पर विश्वनाथन आनंद से टिप्स मिलने लगी। आनंद ने दिव्या के बारे में कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। सच यह है कि उसने झू जिनर, तान झोंगजी औ लगीं। रद्रोनावल्ली हरिका जैसी दिग्गज खिलाड़ियों को हराया है। वह जबर्दस्त क्षमता वाली खिलाड़ी है। इसलिए यह अप्रत्याशित नहीं है। लोगों को उससे यह उम्मीद थी और उसने यह करके दिखाया है।

ट्रम्प प्रशासन भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की ह्लवसुधैव कुटुंबकमह्व, ह्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामयाःह्व जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख

होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशनियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि ह्लपश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं।ह्व हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। ह्लमेक अमेरिका ग्रेट अगेनह्व के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हों परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए।

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं। सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है। इसी संदर्भ में श्री गुरुजी कहते हैं कि 'सब बातों का विचार हमारे पूर्वजों ने भी किया था। समय पर वर्षा होना चाहिए, पृथ्वी पर धन धान्य की समृद्धि रहना चाहिए, समाज को ऐच्छिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होना चाहिए, कोई भी दुखी न रहे - ऐसी प्रार्थना उन्होंने की है, परंतु उस समय भी उनको अनुभव हुआ कि मनुष्य केवल वासनाओं का पुतला नहीं है। वासनाओं की तुष्टि कुछ समय के लिए आनंद देती हैं, किंतु हमेशा के लिए वह आनंद नहीं दे सकती। मनुष्य तो ऐसा सुख चाहता है, जो कभी क्षीण न हो, उसमें कभी बाधा न आ सके, व्यत्यय न आ सके, यानी वह अबाधित, नित्य सुरक्षित और चिरकालिक सुख की कामना करता है'।

उक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए श्री गुरुजी कहते हैं कि 'अपनी भारतीय प्रणाली में जिसे अर्थशास्त्र कहते हैं, उसमें आज जैसा केवल आर्थिक पहलू मात्र नहीं था। हमारे यहां अर्थशास्त्र का ही दूसरा नाम नीतिशास्त्र था। आज हमें अपने सिद्धांतों के आधार पर मौलिक चिंतन करना चाहिए। हम दुनिया भर के विचार प्रवाहों को परखेंगे तथा अपनी स्वतंत्र मौलिक राष्ट्रीय चिंतनधारा के अनुरूप अपना रास्ता अपनाएंगे। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी जी ने अपने जीवन काल में संपत्ति के विकेंद्रीकरण के लिए ट्रस्टीशिप का मार्ग प्रतिपादित किया। उनके इस ट्रस्टीशिप के विचार में माना गया है कि मनुष्य के उत्पादन सामर्थ्य में कोई कमी करने की जरूरत नहीं जीविका के साधनों द्वारा जितना चाहे, उसे उत्पादन करने दो, परंतु संग्रह का वह अधिकारी नहीं है। जीविका के साधनों का प्रयोग करने पर जो संपत्ति एकत्रित होती है, वह समाज की है, अपने उपभोग बढ़ाने के लिए नहीं। वह सम्पत्ति उसने समाज को दे देनी चाहिए।' इस धरा पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुख वासनाओं-इच्छाओं को बढ़ाते जाने में नहीं है, सुख तो वासनाओं-इच्छाओं को कम करते जाने की मानसिकता में से मिलता है। इस दृष्टि से श्री गुरुजी इच्छाओं व आवश्यकताओं को बढ़ाते जाने वाले आर्थिक चिंतन को स्वीकार नहीं करते थे, अपितु 'आवश्यकता विहीन' की दिशा में चलने वाले अर्थशास्त्र के समर्थक थे। साथ ही, समाज के समस्त क्रिया कलापों के दौरान यह भी ध्यान रखना होगा कि कुल मिलाकर सम्पूर्ण समाज के सुख में वृद्धि हो जो शोषण से मुक्ति एवं वितरण की समानता की ओर संकेत करती है। वैसे भी सुख की प्राप्ति मनुष्य अकेला नहीं कर सकता, समाज का सहयोग चाहिए। अतः सुख का आधार परस्परानुकूलता हैं, संघर्ष नहीं। कुल मिलाकर प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन में ट्रम्प प्रशासन के लिए बहुत बड़ी सीख छुपी हुई है।

विकास खण्ड जोया में एडीओ पंचायत सतेंद्र कुमार ने संभाला चार्ज, गिनाई उपलब्धियां

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के विकास खण्ड जोया में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के पद पर सतेंद्र कुमार ने हाल ही में चार्ज संभाला है। उनकी नियुक्ति को स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायतों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सतेंद्र सिंह ने अपने कार्यभार ग्रहण करने के बाद एक बैठक में अपनी प्राथमिकताओं और पूर्व में हासिल उपलब्धियों को साझा किया, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जगी है। सतेंद्र कुमार ने बताया कि उनकी पिछली तैनाती में उन्होंने ग्राम पंचायतों में कई विकास परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, सड़कों का निर्माण, और सामुदायिक भवनों का विकास शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से मनरेगा योजना के तहत रोजगार सृजन पर जोर दिया और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करने में सफलता प्राप्त की। इसके अलावा, उन्होंने ग्राम पंचायतों में डिजिटल साक्षरता और पारदर्शी प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कीं, जिससे पंचायतों के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी। जोया विकास खण्ड में अपनी नई जिम्मेदारी के तहत सतेंद्र कुमार ने कई योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकता होगी। विशेष रूप से, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और स्वच्छता जागरूकता अभियान को गति दी जाएगी। इसके साथ ही, ग्राम पंचायतों में सड़कों का विकास पानी, और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। सतेंद्र कुमार ने जोया के ग्राम प्रधानों और पंचायत सदस्यों के साथ एक बैठक में क्षेत्र की समस्याओं को समझने का प्रयास किया। उन्होंने ग्राम पंचायतों से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों ने उनकी नियुक्ति का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में जोया विकास खण्ड में विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। जोया विकास खण्ड के अंतर्गत कई गांवों को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने की योजना पर भी सतेंद्र सिंह ने चर्चा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे, ताकि क्षेत्र का आर्थिक विकास हो सके। उनकी नियुक्ति से जोया विकास खण्ड में विकास की नई उम्मीदें जागी हैं। इसी के साथ उन्होंने बताया है कि ग्राम पंचायत में स्वयं की आय बढ़ने पर जोर दिया जाएगा। जिसमें स्वच्छता पर घर-घर से कूड़ा कलेक्शन तथा आर.आर.सी संचालन और प्लास्टिक मुक्त गांव किए जाएंगे।

15 दिवसीय महाशिवपुराण कथा के नौवें दिन पतिव्रत धर्म के महत्व का किया गया वर्णन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में बाबा लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के महंत एवं शिव महा पुराण कथा के वक्ता स्वामी राजेंद्र मुनि महाराज ने वृंदा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृंदा एक राक्षस कुल में जन्मी एक कन्या थी, लेकिन वह भगवान विष्णु की परम भक्त थी और उसका विवाह राक्षस जालंधर से हुआ था। जालंधर, वृंदा की पतिव्रता के कारण बहुत शक्तिशाली था और उसे कोई भी देवता हरा नहीं पा रहा था। देवताओं ने भगवान विष्णु से जालंधर का वध करने की प्रार्थना की थी तभी भगवान विष्णु को जालंधर का वध करने के लिए वृंदा की पवित्रता अर्थात पतिव्रत धर्म को भंग करना पड़ा, जिससे जालंधर की शक्ति नष्ट हो गई और भगवान शिव ने उसका वध कर दिया। इस अवसर पर स्वामी प्रवेश मुनि महाराज, कमलेश मुनि धर्म मुनि,राम मुनि, सुन्दर मुनि, ऋषिपाल भगत, यश वशिष्ठ, ढोलक वादक, राजकुमार वास्तव, वीरमपुर, सोनू चौहान, पुष्पेन्द्र, सर्वेश मुनि, सत्यवीर सिंह, लवकुश कुमार, महिपाल शर्मा, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, दीपक, रोताश, राकेश, धर्मेंद्र, रक्षपाल सिंह,राजू प्रधान, योगेन्द्र चौधरी, विजयेंद्र सिंह, बलवंत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

विकास खण्ड जोया में पंचायत सचिव अमरजीत सिंह ने संभाला चार्ज, गिनाई प्राथमिकताएं

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकास खण्ड जोया में नव नियुक्त पंचायत सचिव अमरजीत सिंह ने हाल ही में अपने पद का कार्यभार संभाला। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय ग्राम पंचायतों के विकास और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। अमरजीत सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने और जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिया। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है, और ग्रामीण जनता को उनसे कई उम्मीदें हैं। अमरजीत सिंह ने अपने पहले संबोधन में कहा कि उनकी प्राथमिकता ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन, और मनरेगा को प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही। विशेष रूप से, उन्होंने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल), अनुसूचित जाति/जनजाति, और अन्य वंचित समुदायों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, ग्राम सभाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों की पहचान और योजनाओं के लाभ को उन तक पहुंचाने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का वादा किया। पंचायत सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करने की बात कही। इसमें सड़क, स्वच्छ पेयजल, बिजली, और शिक्षा सुविधाओं का विस्तार शामिल है। उन्होंने जोया ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करने और अधूरे प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, उन्होंने ग्राम पंचायतों के कर्मचारियों और स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का लक्ष्य रखा। अमरजीत सिंह ने डिजिटल तकनीक के उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में डिजिटल रिकॉर्ड रखने और ऑनलाइन पोर्टल्स के माध्यम से योजनाओं की निगरानी को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे न केवल कार्यों में पारदर्शिता आएगी, बल्कि ग्रामीणों को अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज करने में भी आसानी होगी। स्थानीय लोगों ने अमरजीत सिंह की नियुक्ति का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में जोया विकास खण्ड नई ऊंचाइयों को छूएगा। उनकी प्राथमिकताएं ग्रामीण विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती हैं, और अब सभी की नजरें उनके कार्यान्वयन पर टिकी हैं।

टप्पेबाजी कर चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का अमरोहा पुलिस ने किया खुलासा

अमरोहा (सब का सपना) अनुज गोस्वामीः- जनपद के थाना गजरौला पुलिस द्वारा जयपुर राजस्थान, जनपद बुलन्दशहर आदि जगहों पर सराफा व्यापारियों की दुकानों पर टप्पेबाजी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के महिला सहित कुल 03 शातिर चोर/टप्पेबाज गिरफ्तार किये गये है जिनके कब्जे से चोरी किये गये पीली धातु के आभुषण वजन लगभ 60 ग्राम (अनुमानित कीमत 06 लाख रुपयें), 03 मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक कांटा व घटना में प्रयुक्त वाहन ब्रिजा गाडी रजि0न0 डीएल9सीएवी5188 बरामद हुई । ज्ञात रहे कि 17.06.2025 को समय करीब 16.00 बजे 02 अज्ञात महिलाओं द्वारा बातों में उलझाकर ज्वैलर्स सचिन अग्रवाल की दुकान से सोने की 04 चूडी चोरी की गयी थी। जिसके सम्बन्ध में वादी सचिन अग्रवाल (अग्रवाल ज्वैलर्स) निवासी बस्ती थाना गजरौला जनपद अमरोहा के द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिस पर पुलिस के द्वारा थाना गजरौला पर मु0अ0सं0 318/25 धारा 305 बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा क्षेत्राधिकरी धनौरा, एसओजी/सर्विलांस टीम अमरोहा व प्रभारी निरीक्षक थाना गजरौला को पुलिस टीमें गठित कर शीघ्र घटना का खुलासा करने के लिए निर्देशित किया गया था। जिसके बाद एसओजी/सर्विलांस टीम द्वारा ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के अन्तर्गत क्षेत्र में लगाये गये लगभग 450 सीसीटीवी कैमरों एवं सर्विलांस की मदद से चोरी करने वाले अज्ञात महिलाओं एवं उनके साथियों व घटना में प्रयुक्त वाहन की छानबीन कर पहचान की गयी। इसी क्रम में एसओजी/सर्विलांस टीम अमरोहा व थाना गजरौला पुलिस द्वारा मंगलवार की रात्रि गजरौला-हसनपुर रोड पर चैकिंग के दौरान दीन नर्सरी एंड फार्म के पास घेराबन्दी कर एक ब्रिजा गाडी सवार 03 अभियुक्त 1. फुरकान पुत्र हारुन सैफी निवासी गली नं0 07 मौहल्ला जाकिर कालोनी थाना लोहियानगर मेरठ 2. शाहरुख पुत्र फिरोज दर्जी गली-07 मौहल्ला जाकिर कालोनी थाना लोहियानगर मेरठ व 3. अभियुक्ता आसमां उर्फ भूरी रांगड पत्नी स्व0 शादाब हाल पत्नी फुरकान निवासी चमडा पैठ गली नं0 07 जाकिर कालौनी थाना लोहियानगर मेरठ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार जिनके कब्जे से चोरी किये गये 04 चूडी पीली धातू (वजन लगभग 31.480, एक हार पीली धातू (वजन लगभग18.22ें) मय धागे की डोरी एक चैन पीली धातू (वजन लगभग 9.86), 03 मोबाईल फोन, 01 इलेक्ट्रानिक कांटा व घटना में प्रयुक्त एक कार ब्रिजा रजि0न0 DL9CAV5188 बरामद किया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि दिनांक 17.06.2025 को सराफा बाजार गजरौला से ज्वेलर्स सचिन अग्रवाल की दुकान से आसमां उर्फ भूरी के साथ इसकी सहेली रुखसाना पत्नी सलीम निवासी खत्ता रोड भूमिया का पुल थाना ब्रहमपुरी जनपद मेरठ ने मिलकर 04 चूडी चुरा ली थी (सम्बन्धित मु0अ0सं0 318/25 धारा 305 बीएनएस थाना गजरौला) इस दौरान अभियुक्त फुरकान व शाहरुख ब्रिजा गाडी को लेकर आस पास खडे थे जिससे कि चोरी करने के उपरांत वे मेरठ फरार हो गये । अभियुक्तगण द्वारा इसी तरह कुछ दिन पूर्व बरामद हुई चैन शिकारपुर क्षेत्र जनपद बुलन्दशहर से यह चैन चोरी करना तथा बरामद हुए हार को कुछ दिन पूर्व जयपुर शहर राजस्थान से चोरी करना बताया गया। गिरफ्तार अभियुक्त फुरकान पुत्र हारुन सैफी व आसमां उर्फ भूरी पति-पत्नी है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक द्वारा 15,000/- रु0 के नगद ईनाम से पुरुस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

ऑपरेशन क्लीन के अन्तर्गत थाना पर मुकदमों से सम्बन्धित कुल 23 वाहनों की हुई नीलामी

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 51 वाहनों की नीलामी कर 4,03,360 राजस्व किया गया प्राप्त

अमरोहा (सब का सपना) अनुज गोस्वामीः- प्रायः थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं । इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं। जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्ष के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद में 'आपरेशन क्लीन' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलित है। मंगलवार को क्षेत्राधिकारी हसनपुर जनपद अमरोहा, प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा थाना हसनपुर जनपद अमरोहा, मजिस्ट्रेट मनोज सिंह नायब तहसीलदार तहसील हसनपुर अमरोहा एचएम हे0का0 484 सुनील कुमार थाना हसनपुर जनपद अमरोहा की गठित कमेटी द्वारा थाना हसनपुर में लम्बित माल मुकदमाती, एमवीएक्ट से सम्बन्धित सीज शुदा कुल 23 दोपहिया वाहन मोटरसाईकिल की नीलामी थाना हसनपुर परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी । जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल रु 1,20,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने में तीन पर प्राथमिकी दर्ज

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव निवासी किशोरी रविवार की सुबह आठ बजे अचानक लापता हो गई। स्वजन ने काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। किशोरी के पिता को सूचना मिली कि संभल जनपद के नखासा थाना के गांव दहपा निवासी एक युवक थाना आदमपुर के गांव बीझलपुर निवासी अपने दो साथियों के साथ उनकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। जब किशोरी के पिता आरोपियों के घर पहुंचे और अपनी बेटी को वापस करने की मांग की तो आरोपी आग बबूला हो गए। उन्होंने उनके साथ मारपीट की और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। इसके बाद किशोरी की मां ने आदमपुर थाना पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर थाना नखासा के गांव दहपा निवासी विनीत, थाना आदमपुर के गांव बीझलपुर निवासी अमित तथा सुमित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। किशोरी के न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए हैं।

जिले में ई-श्रम कार्ड पंजीकरण के लिए शिविरों का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शानुसार उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा जीरो पॉवर्टी के अन्तर्गत पात्र अपंजीकृत निर्धनतम परिवारों को पंजीकृत किये जाने, पंजीकृत श्रमिकों को पंजीयन नवीनीकरण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड बनाये जाने तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अन्तर्गत पंजीकृत किये जाने हेतु जनपद अमरोहा के समस्त ब्लाकों में कैम्प का आयोजन किये जा रहें है। जिसके क्रम में दिनांक 28.07.2025 को ब्लॉक अमरोहा में उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत श्रमिक पंजीयन 31, पंजीयन नवीनीकरण 25 और असंगठित क्षेत्र के अन्तर्गत ई-श्रम-08 एवं श्रम योगी मानधन योजना में 01 पंजीकरण हुआ है। दिनांक 29.07.2025 को ब्लाक जोया में उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत श्रमिक पंजीयन 45, पंजीयन नवीनीकरण 32 और असंगठित क्षेत्र के अन्तर्गत ई-श्रम-09 एवं श्रम योगी मानधन योजना में 01 पंजीकरण कुल उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत श्रमिक पंजीयन 76, पंजीयन नवीनीकरण 57 और असंगठित क्षेत्र के अन्तर्गत ई-श्रम-17 एवं श्रम योगी मानधन योजना में 02 पंजीकरण हुये। इसी प्रकार ब्लाक हसनपुर में दिनांक 30.07.2025, ब्लाक गंगेश्वरी में दिनांक 31.07.2025, ब्लॉक धनौरा में दिनांक 01.08.2025 और ब्लॉक गजरौला में दिनांक 02.08.2025 कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्रा छात्रवृति व योजनान्तर्गत के लिए करे ऑनलाइन आवेदनः अलका चौधरी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2025-20 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) दशमोत्तर (कथा 11-12) छात्रवृति व योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु संशोधित समय सारिणी जारी की गयी है। छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन, लॉक करने एवं छात्रों को छात्रवृत्ति के ऑनलाइन आवेदन करने तथा वितरण हेतु प्रक्रिया निर्धारित की गयी है। प्रक्रियात्मक कार्यवाही पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) विद्यालयों को मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरोहा से पासवर्ड प्राप्त प्रथम चरण 01 जुलाई 2025 से द्वितीय चरण 05 अक्टूबर 2025 तक। सम्बन्धित विद्यालय के नोडल अधिकारी/जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शिक्षण संस्था पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार सीटों की संख्या एवं फीस आदि को अंकित कर उसकी प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित करने हेतु दिनांक 02 जुलाई 2025 से द्वितीय चरण 15 अक्टूबर 2025 तक। पूर्वदशम (कक्षा 9-10) दशमोत्तर (कक्षा 11-12) में छात्र/छात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन करने हेतु दिनांक 02 जुलाई 2025 से द्वितीय चरण 30 अक्टूबर 2025 तक। पूर्वदशम (कक्षा 9-10) दशमोत्तर (कक्षा 11-12) में छात्र/छात्राओं द्वारा आवेदन पत्र का फाइनल प्रिन्ट निकालना हेतु 03 जुलाई 2025 से 31 अक्टूबर, 2025 तक, छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था में जमा किए जाने हेतु 03 जुलाई, 2025 से 04 नवम्बर 2025 तक। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा पूर्वदशम (कक्षा 9-10) दशमोत्तर (कक्षा 11-12) का वर्गपार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणिकता को आनलाइन सत्यापित करने हेतु 01 सितम्बर 2025 से 09 सितम्बर, 2025 तक। एवं द्वितीय चरण 07 नवम्बर 2025 में 15 नवम्बर 2025 तक। शिक्षण संस्थानों द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित/निरस्त किए जाने की हेतु 03 जुलाई, 2025 से 31 अगस्त 2025 तक और द्वितीय चरण 06 नवम्बर, 2025 तक है। संदिग्ध/संदेहास्पद डाटा के सम्बन्ध में कार्यवाही की तिथियाँ में छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को ठीक करने हेतु 18 नवम्बर, 2025 से 21 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है, सही आवेदन पत्रों की हार्ड कॉपी गाछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था में पुनः जमा करने हेतु विलम्बतम 23 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है और शिक्षण संस्था द्वारा आवेदन पत्रों पुन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की तिथि 18 नवम्बर, 2025 से 26 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है। वित्तीय वर्ष-2025-20 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति की धनराशि 02 अक्टूबर 2225 को भुगतान किये जाने का निर्णय शासन द्वारा लिया गया है अतः जनपद के समस्त पूर्वदशन (कक्षा-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) शिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया जाता है कि (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) योजनान्तर्गत आवेदन करने वाले पात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन पत्रों को 31 अगस्त 2025 तक नियमानुसार ऑनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित/निरस्त करना सुनिश्चित करें, ताकि शासन द्वारा 22 अक्टूबर 2025 को अधिक से अधिक छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति की धनराशि प्रेषित की जा सके। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोड़कर) के समस्त पात्र छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति बैंक खाते में आधार सीडिंग व छच्ब् से मैपिंग एवं आनलाइन आवेदन कराने हेतु अपने विद्यालय में सूचना पट दैनिक समाचार पत्रों कसाध्यापक एवं अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार कराते हुए शासन द्वारा जारी समय सारिणी के अनुसार समग्रान्तर्गत समस्त कायार्वाही पूर्ण करा ली जाऐ ताकि कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति आवेदन करने से वंचित न रहे।

संभल में दो कंटेनरों की टक्कर: साले की मौत, बहनोई सहित दूसरा कंटेनर सवार भी घायल

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर बहजोई-चंदौसी के बीच गांव अचलपुर के पास दो कंटेनरों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में बदायूं के थाना बिसौली के गांव गुलरिया निवासी रंजीत की मौत हो गई। रंजीत का बहनोई यशपाल और दूसरे कंटेनर में सवार फरुर्खाबाद निवासी नंदू गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों घायलों को सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा सुबह करीब 10:45 बजे हुआ। साथ में चल रहे अन्य कंटेनर सवारों के अनुसार, यशपाल अपने साले रंजीत के साथ बदायूं के आसफपुर से कंटेनर में गत्ता भरकर हरियाणा के गुड़गांव जा रहा था। अचलपुर के पास उनका कंटेनर सामने से बहजोई की ओर से चंदौसी जा रहे दूसरे कंटेनर से टकरा गया। इस टक्कर में रंजीत की जान चली गई और यशपाल घायल हो गया। यूपी 112 पुलिस की टीम ने घायलों को अस्पताल भर्ती कराया। इंस्पेक्टर हरीश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

बासमती धान उत्पादन कार्यशाला का हुआ आयोजन

कांधला/शामली (सब का सपना):- इस्सोपुर टील मे टील पर बासमती चावल के उत्पादन के लिए सुरक्षित और विवेकपूर्ण कीटनाशक उपयोग और अच्छी कृषि पद्धतियों (जी.ए.पी.) को अपनाने पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य वीरेन्द्र सिंह व विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख डाक्टर विनोद मलिक रहे। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी संदीप चौधरी ने प्राकृतिक खेती मे फैरोमैन ट्रैप, लाइट ट्रैप और जीवामृत से जीवाष्म संवर्धन के बारे मे बताया। एपीएडीए वैज्ञानिक डा रितेश शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के तीस जनपद मुख्य रुप से बासमती धान उत्पादन करते है। भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के मुख्य उद्देश्य बासमती धान के उत्पादन, गुणवत्ता मानकों, निर्यात प्रक्रियाओं एवं जहर-मुक्त खेती को बढ़ावा देना है, गुणवत्ता पुर्ण उत्पादन मे बासमती धान की जी आई-मान्यता प्राप्त किस्मों की पहचान और उनका वैज्ञानिक चयन, जैविक और जहर मुक्त खेती तकनीक तथा कीटनाशक अवशेष मानकों की जानकारी, साफ-सफाई, भंडारण, मिलिंग और परीक्षण और भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध योजनाएँ, किसानों के लिए प्रशिक्षण, लैब टेस्टिंग, जी आई प्रमाणन आदि की जानकारी दी। धान उत्पादन मे जैविक पद्धति, आई पी एम पद्धति को अपनाकर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करने हेतु प्रेरित किया। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने बासमती धान उत्पादन उपरांत धान का निर्यात कर देश मे विभिन्न विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। जिससे देश को आर्थिक मजबूती प्रदान करता है। सभी किसान संतुलित उर्वरक व कीटनाशको का प्रयोग कर ही बासमती धान का उत्पादन करे। जैविक उत्पाद स्वास्थ्य व मानव सुरक्षित होता है। उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने श्री अन्न पुनरोद्धार व त्वरित मक्का विकास के बारे मे बताया। जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार ने फसल विविधिकरण, एकीकृत धान्य विकास कार्यक्रम व बीज भण्डारो से निःशुल्क बीज मिनिकिट के बारे मे बताया। ब्लाक प्रमुख डाक्टर विनोद मलिक ने जल संरक्षण करते हुए धान उत्पादन व सांवा , रागी के मेडिसिन गुणो को बताया। विधान परिषद सदस्य वीरेन्द्र सिंह ने सरकार की उपलब्धियो के बारे मे बताया। टील के किसानो को कृषि की नवीनतम तकनीक गृहण कर खेती करने की सलाह दी। किसानो की श्री अन्न सांवा व रागी के मिनिकिट भी निशुल्क वितरित किये गए। इस अवसर पर सैकडो किसानो सहित वैज्ञानिक अजय कुमार, सहायक विकास अधिकारी जयदेव उपाध्याय, अजय तोमर, सतेन्द्र सिंह, कृष्णावतार, आदि मौजूद रहे।

दोस्ती मैं हत्या करने का प्रयास, न्यायालय ने 11 वर्ष बाद सुनाई उम्र कैद की सजा

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- जिला एवं सत्र न्यायालय ने चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के एक हत्या के प्रयास के मामले में दोषी हिमांशु शर्मा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जिला शासकीय अधिवक्ता राहुल दीक्षित के अनुसार वादी सुरेश ने चंदौसी पुलिस को तहरीर दी थी। उसने बताया कि उसका भाई सोनू मोहल्ला हनुमानगढ़ी निवासी सुमित शर्मा और हिमांशु शर्मा के साथ चंदौसी में बर्तनों की दुकान पर काम करता था। 19 फरवरी 2014 को दोनों आरोपी सोनू को घर से बुलाकर ले गए। जब सोनू शाम तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगले दिन 20 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे सोनू गंभीर रूप से घायल अवस्था में गांव बेहतरी और तारापुर के जंगल के मरघट में मिला। पीड़ित के गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू के घाव थे। पुलिस ने बेहोश अवस्था में सोनू को अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने सुमित और हिमांशु के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर 21 अगस्त 2014 को न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई जनपद न्यायाधीश दुर्ग नारायण सिंह के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने हिमांशु शर्मा को दोषी पाया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि अर्थदंड अदा न करने पर दोषी को दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। साथ ही जेल में पहले से बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा। यह फैसला घटना के 11 साल बाद आया है।

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं द्वारा ग्राम स्तर तक संगठन मजबूत करने के लिए बैठक का आयोजन

सम्भल(सब का सपना):- आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सम्भल, असमोली और चंदौसी विधानसभा प्रभारी आतिर हुसैन के बहजोई रोड, चौधरी सराय स्थित कार्यालय में एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आतिर हुसैन की अनुपस्थिति में बैठक का संचालन मोहम्मद अयूब ने किया। बैठक में दानिश और शारीक भी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मोहम्मद अयूब ने कहा कि आने वाले समय में हम सभी ग्राम पंचायत क्षेत्रों में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हर गांव और हर वार्ड में आम आदमी पार्टी की उपस्थिति दर्ज कराई जाए और संगठन को जमीनी स्तर पर खड़ा किया जाए। उन्होंने बताया कि जो साथी इस अभियान में सहयोग देना चाहते है वे अपने-अपने ब्लॉक और नगर पालिका क्षेत्रों में प्रभारी आतिर हुसैन की स्वीकृति के बाद कार्यकारी कमेटियों का गठन करेंगे। हम सभी मिलकर ग्राम पंचायतों, वार्डों और ब्लॉक/नगर पालिका स्तर की बैठकें आयोजित करेंगे, जिनमें सभी कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल होंगे। हर घर संपर्क अभियान को सफल बनाया जाएगा। हम हर गांव, हर मोहल्ले तक पहुँचेंगे और आम आदमी पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाएंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया गौशालाओं और स्कूलों का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत हसनपुर कला ओर खेया माफी का निरीक्षण किया। इस दौरान उच्च प्राथमिक विद्यालय हसनपुर कला में विद्यालय का भवन निर्माण वर्ष 2025 में बना है विद्यालय के छठ काफी खराब स्थिति में है मानक के अनुरूप भी नहीं बनाई गई थी वर्तमान में विद्यालय की दीवार फर्स्ट एवं क्षेत्र क्षतिग्रस्त है जो नए स्त्रोत से मरम्मत योग्य है जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विद्यालय को बनाने वाले प्रधानाध्यापक सुनील नगर का स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए उत्तरदायित्व निर्धारित कर एक सप्ताह में अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया निरीक्षण में आंगनबाड़ी केंद्र में मौके पर कोई भी बच्चा नहीं मिला केंद्र का सामान भी अस्त-व्यस्त स्थिति में पढ़ती मिला आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा एक बच्चे को बीमारी के कारण से श्रेणी में बताया गया। निरीक्षण में पाया गया की आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों में ग्राम वासियों को जागरूक सूचित नहीं किया जा रहा है। ओर ना ही बच्चे स्कूल में उपस्थित हो रहे है। साथी जिला कार्यक्रम अधिकारी संबंधित कार्यकत्री स्पष्टीकरण तलब किया है। इसी के साथ उन्होंने मुख्य रास्ते से ग्राम को जोड़ने वाली सड़क दोनों तरफ से गंदगी पाई गई इसी के साथ संचारी रोग अभियान के दौरान भी कोई साफ सफाई नहीं की गई है। इसी के साथ मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया को सफाई कर्मचारी का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत खेया माफी गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में तीन सेट का निर्माण कार्य किया जा रहा था। और गौशाला में गंदगी पाई गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की हैं। और कर्मचारियों के लाभ कार्रवाई करने के लिए खंड विकास अधिकारी को पड़े निर्देश दिए हैं।

आरडीएच फाउंडेशन ने गरीब परिवारों में शूट, साड़ी, शिक्षा सामग्री राशन किया वितरण

हापुड़ (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ गरीब, बेसहारा परिवारों के लिए देवदूत बनकर उभर रहा है। आर डी एच फाउंडेशन लगातार गरीब परिवारों की जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद कर रहा है। इसी क्रम में आज आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा अलीगढ़ में लगभग 30 गरीब परिवारों के बीच जाकर राशन, शूट, साड़ी, पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कूल बैग, जूता, कॉपी, किताब आदि सामग्री का वितरण किया। वहीं ग्यारह सो-ग्यारह सो रुपए से आर्थिक मदद की। इस दौरान आरडीएच फाउंडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि फाउंडेशन का मकसद मजबूर, मजलूम, गरीब, बेसहारा, दिव्यांगो को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद करने का मकसद है। उन्होंने कहा कि आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा लगातार जो परिवार आर्थिक या शारीरिक रूप से कमजोर है उन्हें मदद पहुंचाई जा रही है और भविष्य में भी यह मदद जारी रहेगी। एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह, उपराष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह राजपूत, सलाकार रतन सिंह, निर्देशक बरन सिंह, अशोक सिंह, मांगें सिंह ,कैलाश , जयंती सिंह, उपसचिव मोहित सिंह , उतर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान, रोहित चौहान आदि सदस्य मौजूद रहे।

गोगा जाहरवीर जी की पूजा अर्चना कर छड़ी मेले में का किया गया आयोजन

सैदनगली/हसनपुर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम भदौरा में चल रहे छड़ी मेले में गोगा जाहर वीर जी कि भक्तों ने पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया। इस मौके पर बच्चों ने जमकर खेलने के लिए खिलौने खरीदे , जंपिंग के साथ झूले का आनंद लिया। महिलाओं ने मीना बाजार में महिलाओं से संबंधित समान की खरीददारी की। साथ ही क्षेत्र वासियों ने तरह तरह की मिठाइयों, पकौड़ी आदि की जमकर लुफ्त उठाया। मेले की सुरक्षा हेतु सैदनगली पुलिस तैनात दिखाई दी। छड़ी मैले के दौरान अशोक कुमार, सोनवीर सिंह, सतवीर सिंह, परवीन चौधरी, जयवीर सिंह, मुकेश सिंह, मनवीर, चंदन सिंह, कृष्ण कुमार शर्मा, परवीन सिंह, देवराज सिंह, मुरारी, भूकन , रेवत सिंह, चंदन सिंह, लालू सिंह, महिपाल सिंह, लालसिंह आदि भारी संख्या में ग्राम एवं क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

पुलिस ने की ग्राम प्रधान की पिटाई, सैनी समाज ने की बैठक, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- संभल के थाना हयातनगर क्षेत्र के कमलपुर सराय के ग्राम प्रधान मेवाराम सैनी के साथ पुलिस द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। एक महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने ग्राम प्रधान को थाने में अवैध तरीके से दो दिन तक रखकर पिटाई की। ग्राम प्रधान ने एसपी से मिलकर अपने साथ हुई घटना की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले की जांच सीओ संभल आलोक भाटी कर रहे हैं। ग्राम प्रधान ने दरोगा और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपना बयान दर्ज कराया है। पूर्व बीजेपी जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी ने कहा कि उन्होंने एसओ से मामले का निस्तारण करने के लिए कहा था। उन्होंने बताया कि मेवाराम एक जनप्रतिनिधि हैं और उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए था। ग्राम प्रधान ने बताया कि एक सिपाही ने उन्हें पकड़ रखा था और दूसरा लातों से मार रहा था। दरोगा ने उन्हें 100 पटे गिनकर मारे। पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने ग्राम प्रधान की फोटो देखी और उनकी स्थिति बहुत बुरी है। सुरेश सैनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है कि किसी के साथ मारपीट या प्रताड़ना नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि ग्राम प्रधान का कोई जुर्म नहीं था और वह एक चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। पूरा सैनी समाज उनके साथ खड़ा है। पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि वे अधिकारियों से मिलेंगे और इस मामले में कार्रवाई की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी ने यह कृत्य किया है, वह अच्छी तरह से प्रशिक्षित नहीं है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पारिवारिक विवाद में गली गलौज तथा मारपीट करने तथा मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना बहजोई पर अनुज पुत्र हरिशंकर निवासी अजीमाबाद थाना बहजोई जनपद सम्भल की तहरीरी सूचना बावत पशु बांधने को लेकर हुए पारिवारिक विवाद में विपक्षीगण द्वारा वादी के बड़े भाई फुलवारी सिंह के साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट करना जिसमें उपचार के दौरान फुलवारी सिंह की मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध में थाना बहजोई पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसमें 29 जुलाई को थाना बहजोई पुलिस ने मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त महीपाल पुत्र नत्थू निवासी ग्राम अजीमाबाद थाना बहजोई जनपद सम्भल को ग्राम अजीमाबाद से गिरफ्तार किया गया है जिस पर खबर लिखे जाने तक पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जा रही थी।

जिलाधिकारी ने चकबंदी कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिलाधिकारी संजय चौहान ने कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी विभाग के अधिकारियों के साथ जनपद में चल रहे चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक किया। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में चल रही चकबंदी प्रक्रिया के संबंध में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी से जानकारी ली जिस पर बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी केलकर सिंह ने बताया कि जनपद में चकबंदी की प्रक्रिया में 47 गांव शामिल हैं जिसमें तहसील गौरीगंज के 11, मुसाफिरखाना के 26, अमेठी के 8 व तिलोई के 2 गांव शामिल हैं, जिनमें धारा 7 में 2 गांव, धारा 8 में 10 गांव, धारा 9 में 4 गांव, धारा 10 में 12 गांव, धारा 20 में 6 गांव, धारा 23 में 3 गांव, धारा 24 में 4 गांव, धारा 27 में 8 गांव तथा धारा 52 में 12 गांवों में कार्य चल रहा है जिसमें से मुसाफिरखाना तहसील के ढुड़ेहरी गांव में धारा 52 का प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया गया है। शेष गांवों में कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया

जाएगा साथ ही उन्होंने बताया कि 4 गांव क्रमशः सराय खेमा, दौलतपुर लोनहट, सिंदुरवा व गूंगेमऊ में कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार करें साथ ही पुराने गांव जो चकबंदी में चल रहे हैं उनको शीघ्र कब्जा परिवर्तन कर चकबंदी की प्रक्रिया को पूर्ण कराएं, किसी भी गांव में चकबंदी प्रक्रिया को रोका न जाए सभी गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि कब्जा परिवर्तन तथा चक सीमांकन के दौरान यदि कोई समस्या आती है तो संबंधित उपजिलाधिकारी व थानाध्यक्ष से संपर्क कर उसका निराकरण कराएं, इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बैठक के माध्यम से सभी उपजिलाधिकारियों को समय-समय पर कब्जा परिवर्तन संबंधी गांवों का भ्रमण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया की चकबंदी से संबंधित 5 वर्ष से अधिक पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए जिससे आम जनता को राहत दिलाई जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने चकबंदी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि चकबंदी कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही ना करें अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार कार्य करते हुए चकबंदी की प्रक्रिया को पूर्ण कराएं इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही ना बरती जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी केलकर सिंह सहित समस्त चकबंदी अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राइमरी विद्यालय के ऊपर गिरा पेड़, दो दिन बीत जाने के बाद भी नहीं हटाया गया

हारिमऊ/ अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- क्षेत्र के जगधरपुर गांव स्थित एक प्राइमरी स्कूल पर महुआ का पेड़ गिरने से हड़कंप मच गया। स्कूल की छुट्टी होने के बाद यह हादसा हुआ, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अगर यह हादसा स्कूल समय के दौरान होता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे को दो दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक गिरा हुआ पेड़ हटाया नहीं गया है। स्थानीय निवासी सद्दाम और अबुबकर ने बताया कि पेड़ काफी पुराना और कमजोर हो चुका था, जिसके कारण वह गिर गया। स्थानीय लोगों की पुलिस प्रशासन से अपील है कि वे स्कूल परिसर के आसपास लगे सभी पेड़ों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

अधिकांश स्कूलों में विशालकाय और पुराने वृक्ष मौजूद हैं, जो कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। इसलिए जिम्मेदारों को इस ओर ध्यान देने और पुराने पेड़ों की ऊंचाई कम कराने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

पिता के निधन से बाधित हुई पढ़ाई, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला ने बढ़ाया मदद का हाथ-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- शिवप्रताप इंटर कॉलेज में 12वीं कक्षा के छात्र युयांक सोनी, जिनके पिता स्व. संतोष सोनी का हाल ही में निधन हो गया था, आर्थिक तंगी के चलते विद्यालय की फीस नहीं जमा कर पा रहे थे। इस कारण उनकी पढ़ाई बाधित हो रही थी। जानकारी मिलने पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला ने मानवीय पहल करते हुए विद्यालय के प्रिंसिपल से सीधे संपर्क किया और तत्काल फीस जमा कराई। साथ ही, युयांक की आगे की शिक्षा का पूरा खर्च वहन करने का भी आश्वासन दिया। इस अवसर पर राजेश मसाला ने कहा युयांक के

पिता के निधन के बाद उसकी पढ़ाई रुकने की स्थिति में थी। जैसे ही मुझे जानकारी मिली, मैंने स्कूल से संपर्क कर फीस जमा कराई। भविष्य में भी उसे पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस सराहनीय कार्य की क्षेत्रवासियों व विद्यालय परिवार ने प्रशंसा की है।

डीएम ने जनसुनवाई में सुनीं समस्याएं, संबंधित को दिए समाधान करने के निर्देश

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिलाधिकारी संजय चौहान ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्याओं का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक नागरिक की शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया

जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में चेताया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता को कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी फील्ड में जाकर समस्याओं की वास्तविकता को समझें और तत्काल समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई करें।

पुलिस ने 2 वांछित अभियुक्त किए गिरफ्तार

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 203/25 धारा 191(2), 191(3), 190, 109, 110, 117(2), 115(2), 352, 351(2), 125 बीएनएस थाना बाजार शुक्ल में वांछित अभियुक्त 1.शीतला प्रसाद उम्र 40 वर्ष व 2.शारदा उम्र 38 वर्ष पुत्रगण स्व0 देवनरायन निवासीगण ग्राम शिवली थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया। खबर लिखे जाने तक थाना बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

रामडोल शोभायात्रा से पहले कराई जाए मार्गों की सफाई

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव ढवारसी में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जन्माष्टमी के अवसर पर रामडोल शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा जिन रास्तों से होकर गुजरती है, उन सभी रास्तों की हालत बेहद खराब है। कमेटी के सदस्यों ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर रास्तों की मरम्मत कराने तथा साफ सफाई कराने की मांग की है। इस अवसर पर राजीव गोयल, अमन गोयल, अंकुर त्यागी, राजेश शर्मा, हुकम सिंह, मोंटी त्यागी आदि मौजूद रहे।

सामान्य ज्ञान में दुर्गेश व भाषण में आस्था ने मारी बाजी

अमेठी। राजकीय हाईस्कूल अफुइया में मंगलवार को मिशन प्रबोधन कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास व सृजनात्मकता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विविध प्रतियोगिताएं हुईं। सामान्य ज्ञान, भाषण, रंगोली और निबंध लेखन जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामान्य ज्ञान में दुर्गेश ने पहला स्थान प्राप्त किया। आर्या और रियांशी ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान साझा किया, जबकि सोहिल खान तीसरे स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में आस्था सिंह ने विषय प्रस्तुति, भाषा शैली और आत्मविश्वास के आधार पर निर्णायकों को प्रभावित किया। जान्हवी तिवारी को दूसरा व मीनाक्षी को तीसरा स्थान मिला। रंगोली प्रतियोगिता में रियांशी की रचना को प्रथम स्थान मिला। जान्हवी तिवारी को दूसरा व दिव्या को तीसरा स्थान प्रदान किया गया। निबंध लेखन में लाडली ने विषय की गहराई और प्रस्तुति कौशल से प्रथम स्थान हासिल किया। आल्पा ने दूसरा और विकास कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार राबिया की देखरेख में सभी गतिविधियां शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। शिक्षक अनिल प्रताप सिंह और सौरभ कुमार तिवारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भारत सरकार

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना की प्रगति और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भारत सरकार के केंद्रीय सलाहकार सदस्य धीरेंद्र कुमार वाल्मीकि ने बुधवार को अमेठी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। यह बैठक लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान श्री वाल्मीकि ने समाज कल्याण विभाग, पंचायती राज, स्वास्थ्य, जल निगम, विद्युत, पूर्ति विभाग, यूपी सिडको और मंडी समिति के अधिकारियों से योजनाओं

की अद्यतन जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग की आदर्श ग्राम योजना, पूर्ति विभाग की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन की स्थिति, विद्युत विभाग के अंतर्गत सौभाग्य योजना में विद्युतीकरण कार्य, स्वास्थ्य विभाग की जीवन ज्योति बीमा योजना, स्वास्थ्य बीमा, और वैक्सीनेशन कार्यों की समीक्षा की। साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना, पंचायती राज विभाग के अंतर्गत हैंडपंपों की कार्यशीलता, एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्मित घरेलू शौचालयों की स्थिति पर भी उन्होंने अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। केंद्रीय सलाहकार ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाएं तभी सफल होंगी, जब इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास नलिन राज, खंड विकास अधिकारी, एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अमेठी पुलिस ने दो विवाहित जोड़ों को फिर से मिलाया

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के तहत कंचन सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला थाना मय टीम द्वारा पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों के संबंध में शिकायतों को सुना गया तथा समस्याओं को सुलझाते हुए पति-पत्नी को साथ रहने के लिए समझाया गया। जिसमें 02 विवाहित जोड़े राजी खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर चले गये तथा अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया। अमेठी पुलिस द्वारा उनको आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गईं ।

घर में घुसकर चोरों ने लाखों के जेवरात और बर्तन किए चोरी, पुलिस कर रही जांच-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- कोतवाली क्षेत्र के पूरे भवानी बक्स चौबे गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के मूल्य के जेवरात और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर बाउंड्रीवॉल फांदकर मकान में दाखिल हुए और कमरों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता श्यामा देवी पत्नी जगदीश नारायण यादव उर्फ कल्लू ने बताया कि चोरों ने घर के पिछले हिस्से से बाउंड्री फांदकर अंदर प्रवेश किया। इसके

बाद कमरों के ताले तोड़कर सोने का झुमका, चार जोड़ी पायल, खाखरा, पारात और अन्य बेशकीमती बर्तन लेकर फरार हो गए। श्यामा देवी के अनुसार, सुबह उठने पर कमरे का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और पीड़िता से तहरीर देने को कहा। पीड़िता ने कोतवाली अमेठी में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी रवि सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीर प्राप्त हो चुकी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीसीटीएनएस रैंकिंग में अमेठी को प्रदेश में मिला पहला स्थान

हासिल किए 100 प्रतिशत अंक, एसपी, एएसपी और कंप्यूटर ऑपरेटर को मिला प्रशस्ति पत्र

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) की जून 2025 की रैंकिंग में जनपद ने 100 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह रैंकिंग पुलिस तकनीकी सेवाएं मुख्यालय उत्तर प्रदेश द्वारा 29 जुलाई 2025 को जारी की गई। अमेठी पुलिस के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं मुख्यालय लखनऊ ने पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह, जो सीसीटीएनएस के नोडल अधिकारी हैं, और जनपदीय कोऑर्डिनेटर अनुज कुमार शुक्ल (कंप्यूटर ऑपरेटर) को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण और प्रभारी सीसीटीएनएस निरीक्षक चन्द्रशेखर के नेतृत्व में संभव हुई है।पुलिस अधीक्षक ने इस सफलता पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जनपद के सभी थानों पर सीसीटीएनएस में कार्यरत पुलिस कर्मियों की सराहना की है। यह उपलब्धि अमेठी पुलिस के तकनीकी क्षेत्र में बेहतर कार्य प्रणाली को दर्शाती है।

नागपंचमी पर बेलखरी ग्रामसभा में हुआ दंगल और लंबी कूद प्रतियोगिता का आयोजन-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जनपद में नागपंचमी के पावन अवसर पर ग्रामसभा बेलखरी में परंपरागत दंगल एवं लंबी कूद प्रतियोगिता का आयोजन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह आयोजन बीजेपी मंडल अध्यक्ष संग्रामपुर राजेश शुक्ला के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दंगल और लंबी कूद में शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी, मेडल, एवं उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। ग्रामवासियों ने इस आयोजन को

सामाजिक एकता और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाला कदम बताया। आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय बन गया। कार्यक्रम में मुकेश शुक्ला, विक्रम सहित ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिक व क्षेत्र से आए हुए दर्शक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की जिलाधिकारी ने की बैठक

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल :- जनपद के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्षा जल संचयन हेतु खेत तालाब योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, आर0ए0डी0 योजना, पीएमकेएसवाई योजना की समीक्षा किया एवं जिला भूमि संरक्षण अधिकारी से उपरोक्त योजनाओं में अब तक हुई प्रगति के संबंध में जानकारी ली, जिस पर जिला भूमि संरक्षण अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्षा जल संचयन हेतु खेत तालाब योजना का संचालित की गई है जिसके अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में जनपद अमेठी को 50 खेत तालाब का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष अब तक 12

लाभार्थियों द्वारा बुकिंग की जा चुकी है, इस योजना के तहत कुल लागत का 50% डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में धनराशि भेजी जाती है जिसमें 75% कच्चा कार्य पूर्ण होने पर तथा 25% की धनराशि कार्य पूर्ण होने पर दी जाती है। इस योजना के तहत किसान अपने खेत में तालाब खुदवा कर जहां वर्षा जल संरक्षित कर सिंचाई हेतु प्रयोग कर सकते हैं वहीं मछली पालन एवं जलीय खेती द्वारा रोजगार भी कर सकते हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने योजना का किसानों के मध्य व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कर उन्हें अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना का किसानों के मध्य जाकर उन्हें इसके लाभ के बारे में बताएं जिससे जनपद के अधिक से अधिक किसान अपने खेतों में तालाब खुदवा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकें, साथ ही अन्य योजनाओं का भी प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी, जिला कृषि अधिकारी डॉ राजेश कुमार, डीसी एनआरएलएम प्रवीणा शुक्ला, डीसी मनरेगा शेर बहादुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली को मिलने जा रहा बड़ा तोहफा, नए फ्लाईओवर से एनसीआर के शहरों से आवाजाही होगी बेहद आसान

नई दिल्ली। दिल्ली के विकास के लिए दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार केंद्र की मोदी सरकार से पैसा लेने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। एक ही दल की दोनों सरकारें होने से दिल्ली को वह बड़ा लाभ यह मिलने जा रहा है जो पहले नहीं देखा जा सका है। दिल्ली सरकार सड़कों को बनाने व मरम्मत कार्य के लिए 1500 करोड़ केंद्र से पहले ही मांग चुकी है और अब दक्षिणी दिल्ली में फ्लाईओवर बनाने के लिए भी 427 करोड़ मांग लिए हैं। दरअसल दिल्ली सरकार ने दक्षिणी दिल्ली में आउटर रिंग रोड को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए तैयारी है। दो फ्लाईओवर बनाने की योजना योजना के तहत इस मार्ग पर दो फ्लाईओवर बनाने की योजना है। सरकार ने इस कॉरिडोर पुनर्विकास परियोजना नाम दिया है। इसके तहत आउटर रिंग रोड पर 7.2 किलोमीटर के हिस्से को जाममुक्त बनाने की बात कही जा रही है। इनके बनने से आईआईटी से मोदी मिल तक यातायात जाम मुक्त हो सकेगा। एयरपोर्ट और एनसीआर के शहरों का सफर होगा आसान इससे दक्षिणी दिल्ली के पॉश इलाके में यातायात को सुगम बनाने और एयरपोर्ट, फरीदाबाद, बदरपुर जैसे एनसीआर के शहरों से आवाजाही को आसान किया जा सकेगा। दिल्ली सरकार ये योजना केंद्र से फंड लेकर पूरा करना चाहती है। इस योजना को यूटिपैक (यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर (प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग) सेंटर) 2019 में ही में ही मंजूरी दे चुका है। अभी इस इलाके में लगता है भीषण जाम बता दें कि दिल्ली में बढ़ चुकी यातायात

जाम की समस्या के बाद से बाहरी रिंग रोड का मोदी मिल से आईआईटी गेट तक का हिस्सा जाम के लिए कुख्यात माने जाने वाले इलाकों में शामिल है। इस मार्ग पर जाम में फंसने पर एक घंटा से भी अधिक लग जाता है। काम धंधे पर निकले लोग इस इलाके के जाम में फंस कर परेशान होते हैं। सरकार की प्राथमिकता में सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर वर्ष 2001 में सिंगल कैरिजवे बना था। मौजूदा स्थिति में नेहरु प्लेस से आईजीआई एयरपोर्ट तक जाने वाले चालक इस फ्लाईओवर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आईजीआई की तरफ से आने वाले वाहनों को यहां पर फ्लाईओवर की सुविधा नहीं मिल पाती है। कहां से कहां को जोड़ेगा नया फ्लाईओवर? द्वारका और एयरपोर्ट से नेहरू प्लेस, गोविंदपुरी, आंबेडकर नगर व महरौली की ओर से आने वाले वाहन यहां आकर जाम में फंस जाते है। दूसरी ओर फ्लाईओवर जहां मौजूद है, वहां सड़क की चौड़ाई भी काफी कम है। इससे बाटलनैक बन जाती है और कई किलोमीटर लंबे जाम में लोग फंस जाते हैं। प्रस्तावित फ्लाईओवर सावित्री सिनेमा जंक्शन से शुरू होकर चिराग दिल्ली और साउथ एक्सटेंशन की ओर जाने वाले मार्ग को जोड़ेगा। यह फ्लाईओवर मौजूदा ढांचे के साथ समन्वय में काम करेगा व दोनों दिशाओं में यातायात को सुगम बनाएगा। रोजाना लाखों वाहन चालकों को मिलेगी जाम से राहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पिछले साल इस परियोजना के लिए सभी संबंधित एजेंसियों से अनुमति लेने के बाद इस परियोजना को सरकार की व्यय एवं वित्त समिति (ईएफसी) के पास परियोजना को मंजूरी देने के लिए फाइल साल भेजी थी। मगर पूर्व की सरकार ने मंजूरी नहीं दी थी। परियोजना के धरातल पर उतरने से रोजाना लाखों वाहन चालकों को जाम से निजात मिलेगी। सरकार के अधिकारी ने कहा कि अगर केंद्र सरकार से पूरा पैसा मिल जाता है तो कालकाजी के सामने पहले से बने फ्लाईओवर को भी डबल कर दिया जाएगा।

आखिर एनजीटी के हस्तक्षेप के बाद सीपीसीबी ने जनकपुरी से लिए गए दूषित पानी के नमूने, रिपोर्ट दाखिल करने को मांगा समय

नई दिल्ली: जनकपुरी में दूषित पानी के सैंपल्स लेने को लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने एनजीटी में जवाब दाखिल किया है। सीपीसीबी ने कहा कि जनकपुरी से पानी के सैंपल्स एकत्रित कर लिए गए हैं और दो दिनों के भीतर रिपोर्ट प्राप्त हो जाएगी। सीपीसीबी ने रिपोर्ट को रिकार्ड पर पेश करने के लिए समय देने की मांग की। सीपीसीबी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई आठ अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने रिकार्ड पर लिया था कि पूर्व में दिए गए आश्वासन के बावजूद भी दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) जनकपुरी के ए-1 ब्लाक में दूषित पानी की समस्या को 30 जून तक दूर नहीं कर सका। साथ ही सीपीसीबी को फिर से बिना डीजेबी को सूचित किए स्थानीय इलाके में सैंपल लेकर टेस्ट करने के निर्देश दिया था। वहीं, एनजीटी ने डीजेबी को निर्देश दिया था कि जब तक समस्या पूरी तरह ठीक नहीं हो जाती, तब तक लोगों को हैदरपुर वाटर प्लांट से साफ पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करे।

जैसा चाहिए समाधान', राजधानी में कहां कितने घंटे रहा जलभराव; रिपोर्ट में पढ़िए सबकुछ

नई दिल्ली। पिछले साल वर्षा के दौरान मिंटो ब्रिज और ओल्ड राजेंद्र नगर जलभराव के लिए सुर्खियों में रहते थे। लेकिन इस बार इनकी चर्चा जलभराव न होने को लेकर है। चर्चा इसलिए भी अधिक हो रही है कि वर्षा के बीच जलभराव और जाम से ऐसी मुक्ति कई स्थानों को नहीं मिल पाई है। वहीं, मंगलवार को हुई वर्षा के बीच जलभराव के कारण न केवल लोग जाम में घंटों फंसे रहे बल्कि कई जगहों पर वाहन खराब होने से लोगों को परेशानी हुई। कई दुकानों में पानी घुसने से लोगों को नुकसान हुआ। लोगों का कहना है कि मिंटो ब्रिज और ओल्ड राजेंद्र नगर में इंतजाम हो सकते हैं तो अन्य स्थानों पर क्यों नहीं हुए। ये किए गए थे उपाय विशेषज्ञों के मुताबिक, मिंटो ब्रिज में एकत्रित होने वाले पानी के जलनिकासी की व्यवस्था ड्रेन नंबर 12 में थी, जिसमें कॉलोनी का भी पानी आता था। इसकी वजह पीछे से पानी का बहाव ज्यादा होने पर मिंटो ब्रिज से निकासी नहीं हो पाती थी। साथ ही पंपिंग स्टेशन भी मिंटो ब्रिज अंडरपास के पास ही थी। जलभराव की स्थिति में पंपिंग स्टेशन में ही पानी भर जाता था। इस समस्या को देखते हुए पीडब्ल्यूडी ने सबसे पहले वर्षा में डूबने के कारण बंद होने वाले पंपिग स्टेशन की ऊंचाई बढ़ाई। साथ ही जल निकासी ज्यादा तेजी से हो, इसके लिए यहां पर पंपिंग स्टेशन की क्षमता को भी बढ़ाया। डीडीयू मार्ग पर एक अलग से जल निकासी की ड्रेन बनाई गई। डीडीयू मार्ग और तिलक मार्ग रेलवे लाइन के साथ चलने वाले नाले से इस पानी को निकाल दिया जाता है। इससे यहां फिलहाल जलभराव नहीं हो रहा है। जबकि यह जलभराव का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट था। ऐसी ही व्यवस्था एमसीडी ने ओल्ड राजेंद्र नगर में की है। बताया गया कि यहां बड़ा बाजार रोड पर जलभराव होने से पिछले साल एक कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में डूबने से तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई थी, वहां पर एमसीडी ने नए सिरे से सड़क के दोनों तरफ नाली बनाने के साथ ही वहां पर बड़ी क्षमता की पंप लगा दी है। इससे वहां पर इस वर्ष अभी तक जलभराव नहीं हुआ है।

कनॉट प्लेस और सदर बाजार का हाल देख हर कोई हैरान, अफसरों के दावों की खुली पोल

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के साथ ही जलभराव दिल्ली को देश का प्रमुख कारोबारी हब बनाने की राह में रोड़ा बना हुआ है। "ब्रांड दिल्ली" की बड़ी पहचान विश्व प्रसिद्ध कनॉट प्लेस में जलभराव और एशिया के बड़े बाजारों में से एक सदर बाजार में कमर भर पानी में आते-जाते लोगों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब साझा की गई। इसी तरह, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, कश्मीरी गेट, खारी बावली जैसे प्रसिद्ध पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों में जलभराव से दूसरे राज्यों से आए खरीदारों को बिना खरीदारी के वापस लौटना पड़ा। वहीं, सैकड़ों दुकानों में पानी जाने से लाखों का सामान खराब होने की दोहरी मार दुकानदारों को उठानी पड़ी। मंगलवार को कारोबार करने की जगह दुकानदार सामानों को सुरक्षित करते और दुकानों में जमा गंदे पानी को निकालते दिखे। कनॉट प्लेस में आउटर सर्कल के एल ब्लॉक के सामने स्थित म्यूनिसिपल मार्केट की दुकानों में जलभराव का पानी घुस गया। वहीं, इसी तरह आउटर सर्कल के जी ब्लॉक की सड़क पर काफी देर तक जलभराव की स्थिति रही। इनर सर्कल में ए व बी ब्लॉक की पार्किंग और दोनों के मीडिल सर्कल में भी जलभराव हो गया। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के सदस्य अमित गुप्ता निराशा जताते हुए कहा कि यह स्पष्ट तौर पर एनडीएमसी की नाकामी है। सीवर व नाले साफ नहीं हुए तो वर्षा का पानी कैसे निकलेगा? यह ब्रांड कनॉट प्लेस को काफी नुकसान पहुंचाने वाला है। वैसे, यह कोई पहली बार नहीं है जब दिल्ली की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले इन बाजारों की यह दयनीय दशा सामने आई है। गाहे-बगाहे हर एक-दो वर्ष बाद या हर मानसून में यह स्थिति हो जाती है। वर्ष 2023 में भी कनॉट प्लेस में जलभराव हो गया था। वहीं, सदर बाजार के महावीर बाजार की तो हर मानसून ऐसी ही स्थिति होती है। जबकि, पुनर्विकास के बाद चांदनी चौक के कटरों, कूचों में जलभराव अब हर वर्ष में संकट पैदा करती है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने रिश्वतखोरी के आरोपित कस्टम अधिकारी को दी जमानत, गिरफ्तारी के समय लिखित में नहीं बताया था कारण

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार कस्टम विभाग के अधिकारी संदीप दलाल को जमानत दे दी है। अदालत ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी करार देते हुए यह राहत दी। विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने कहा कि गिरफ्तारी प्रक्रिया में की गई चूक आरोपित के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। एक जमानती पर जमानत दे दी कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले में अब कोई नई रिकवरी शेष नहीं है, आरोपित सरकारी कर्मचारी है और फरार होने की संभावना नहीं है। कोर्ट ने आरोपित को 50 हजार रुपये के

निजी मुचलके व इतनी ही राशि की एक जमानती पर जमानत दे दी। अदालत ने आरोपित के खिलाफ जांच में सहयोग करने, गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा और कोर्ट की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ने की कड़ी शर्त भी लगाई। लिखित में गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए सीबीआई के मुताबिक, आरोपित ने एक निजी कंपनी से उनके कंटेनर की क्लीयरेंस के बदले 25 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। जांच के दौरान सीबीआइ ने तीन जुलाई को तुगलकाबाद स्थित इनलैंड कंटेनर डिपो में ट्रैप लगाकर आरोपित के सहयोगी अंकित को 1.5 लाख रुपये की घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा। दोनों आरोपितों को चार जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। बचाव पक्ष ने जमानत की मांग करते हुए दलील दी कि आरोपित की गिरफ्तारी के वक्त उसके परिजनों को लिखित में गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए गए, जो कि सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार अनिवार्य है। कोर्ट ने माना कि आरोपित के चचेरे भाई सुरेंद्र सिंह मौके पर मौजूद थे, फिर भी गिरफ्तारी के लिखित आधार उन्हें नहीं दिए गए।

यूपी के मेरठ से दो फर्जी बाबा गिरफ्तार, घर में बुरा साया का डर दिखाकर लोगों से करते थे ठगी

नई दिल्ली। मध्य जिले की साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने एक ऐसे ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो घर में बुरा साया का डर दिखाकर लोगों से ठगी करते थे। हाल ही में जालसाजों ने घर में बुरा साया दूर करने के नाम पर एक महिला से 37 हजार रुपये की ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान यूपी मेरठ के मोहम्मद नजीर और मोहम्मद राजा खान के रूप में हुई है। पुलिस उनसे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य जालसाजों के बारे में जानकारी जुटा रही है। उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, पटेल नगर निवासी एक गृहिणी ने 21 मई साइबर थाने में ठगी

की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आरोपितों ने खुद को बाबा बताकर महिला की व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करने का दावा किया। उन्होंने पीड़िता को डराया कि तुम्हारे घर में बुरा साया है और अनुष्ठानों के नाम पर धीरे-धीरे 37 रुपये ऐंठ लिए। जब महिला ने और पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपितों ने उन्हें धमकाना और ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। साइबर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया और साइबर थाने के थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संदीप पंवार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने कॉल रिकॉर्ड, बैंक ट्रांजैक्शन और डिजिटल ट्रेस का विश्लेषण कर आरोपितों का पता लगाया। 24 जुलाई को यूपी के मेरठ स्थित लिसाड़ी रोड, जफर गार्डन से दोनों फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपितों ने फर्जी इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल बनाकर खुद को शक्तिशाली बाबा के रूप में प्रचारित किया। वह घरों में बुरा साया दूर करने के नाम लोगों को डराते थे और पैसे एंठते थे। जब पीड़ित पैसे नहीं देते थे तो उन्हें धमकाते भी थे।

पिता के न कांपे हाथ न दहला कलेजा, जिगर के टुकड़े को दी ऐसी दर्दनाक मौत; सहम उठा पूरा इलाका

बाहरी दिल्ली। नरेला थाना क्षेत्र के ओम विहार कॉलोनी में मंगलवार शाम पिता ने अपने 10 वर्षीय बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी नशे का आदी है, पत्नी और बच्चों के साथ आए दिन मारपीट करता था। बताया गया कि पत्नी एक महीने से पति से अलग अपने दो बेटों के साथ रहती थी। आरोपी अपने बेटे को स्कूल से आइसक्रीम खिलाने के बहाने से अपने घर ले आया और हत्या कर फरार हो गया। नरेला थाना पुलिस ने हत्या की धारा में मामला दर्ज कर आरोपी पिता की तलाश कर रही है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी कई बार पूर्व में भी बच्चों को जान से मारने की धमकी दे चुका था। इसकी शिकायत भी नरेला थाना

पुलिस से तीन बार की है, लेकिन समय रहते इसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोपी की पहचान नरेंद्र के रूप में हुई है। मृतक बच्चे की पहचान 10 वर्षीय वंश के रूप में हुई है। बच्चे की मां के पास किसी अनजान मोबाइल नंबर से कॉल आने पर हत्या की जानकारी मिली। जानकारी के मुताबिक, आरोपी नरेंद्र नरेला के बांकनेर गांव स्थित ओम विहार का रहने वाला है। पलंबर का काम करता है। पत्नी और दो बेटे 12 वर्षीय कार्तिक और 10 वर्षीय वंश के साथ रहता था। मृतक वंश के रिश्तेदार परमजीत ने बताया कि आरोपी नरेंद्र नशे का आदी है। वह नशे की हालत में अपनी पत्नी और बच्चों की आए दिन पिटाई करता था। जिससे परेशान होकर पत्नी कई बार पति से अलग रहने लगी। बाद में नरेंद्र बच्चों को मनाकर अपने साथ ले जाता था। इस बीच आरोपी की शिकायत नरेला थाना पुलिस से भी तीन बार की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने से आरोपी बार-बार अपने परिवार के साथ मारपीट करने लगा। एक महीने पहले ही आरोपी की पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ अलग रहने लगी थी। आरोप है कि नरेंद्र आए दिन बच्चों को जान से मारने की धमकी भी देता था। मंगलवार शाम को उसने इस वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। स्कूल से आइसक्रीम दिवलाने के बहाने घर लाया परमजीत ने बताया कि वंश इलाके के ही एक स्कूल में पांचवी कक्षा का छात्र था।

दिल्ली में संपत्ति विवाद में कत्ल, भतीजों ने चाचा को गोली मारकर उतारा मौत के घाट

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के एक गांव में प्रॉपर्टी को लेकर हुए विवाद में भतीजों ने पंजाबी बाग इलाके में अपने चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। जिस शख्स की हत्या हुई है उनका नाम मोहम्मद मंजूर है। बताया गया कि घटना के समय मो. मंजूर बैटरी रिक्शा से घर की ओर जा रहे थे। रास्ते में ही नजदीक से गोली मारकर घटना को अंजाम दिया गया। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल पिस्टल बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मंजूर पत्नी, दो बेटों और एक बेटी के साथ राजौरी गार्डन के टीसी कैंप में रहते थे। वह साप्ताहिक बाजार में लेडीज सूट बेचते थे। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त विचित्रवीर ने बताया कि सोमवार रात करीब 10 बजे पुलिस को गुरु गोविंद सिंह अस्पताल से एक व्यक्ति को गोली मारे जाने के बाद उसे भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। अस्पताल पहुंची पुलिस को पता चला कि घायल शख्स ने दम तोड़ दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जांच शुरू की। जांच में पता चला कि मृतक मंजूर मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे और सोमवार रात मादीपुर स्थित साप्ताहिक बाजार में लेडीज सूट बेचने के बाद घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दो युवक ने बैटरी रिक्शा को रोका और उन्हें काफी नजदीक से गोली मार दी। वारदात को अंजाम देकर दोनों आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस ने मृतक के परिवार वालों से पूछताछ की। जिसमें पता चला कि मंजूर का बिहार में अपने भतीजों के साथ प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें हत्यारे को भागते हुए देखा गया। परिवार वालों ने उसकी पहचान मृतक के भतीजों मुर्तज और मुश्ताक के रूप में की। दोनों दिल्ली में ही रहते हैं। पुलिस ने आरोपियों के घर पर दबिश दी, लेकिन वह वहां से गायब थे। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए तकनीकी जांच की और उन्हें इलाके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पिस्टल बरामद कर ली है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

मां-बेटे की मौत से सहम उठा पूरा इलाका, दिल्ली में एलजी आवास के पास हुआ था दर्दनाक हादसा

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सिविल लाइंस इलाके में वर्षा के दौरान एलजी आवास के पास स्थित कोर्ट रोड पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां निमार्णाधीन साइट की खोदाई के दौरान सहगल कॉलोनी की पुरानी दीवार भरभराकर दो कोठियों पर आकर गिरी। इसमें वहां काम कर रहे चार श्रमिक दब गए। मलबे से चारों को निकालकर अरुणा आसफ अली अस्पताल ले जाया गया, जहां मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, मृतकों की पहचान धर्मपुरा, छतरपुर, मध्य प्रदेश की मीरा व उनके 17 वर्षीय बेटे गणपत के रूप में हुई है। मीरा का बड़ा बेटा दशरथ और एक अन्य श्रमिक नन्हें की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि सहगल कॉलोनी में एक दीवार गिर गई है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उस समय तेज वर्षा हो रही थी। लोगों की मदद से चारों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। बताया गया कि करीब 65 साल पुरानी सहगल कॉलोनी में बड़ी-बड़ी महज 10 ही कोठियां हैं। सहगल कॉलोनी सीएम और एलजी हाउस के ठीक पीछे है। कॉलोनी के चारों ओर करीब 15 फीट ऊंची दीवार है, जो करीब दो सौ मीटर लंबी है। जांच के दौरान पता चला है कि कॉलोनी के पूर्वी ओर 7 कोर्ट रोड पर दीवार से सटकर ढाई हजार गज से बड़ी एक साइट के निर्माण का काम चल रहा है। उसमें पिछले कई दिनों से खोदाई चल रही है। सहगल कॉलोनी में अतुल सहगल नामक व्यक्ति की कोठी नंबर-1 में भी निर्माण का काम कुछ दिन पहले ही शुरू हुआ है। उसके निर्माण के लिए ठेकेदार ने मध्य प्रदेश से श्रमिक बुलाए हुए थे। कॉलोनी की दीवार से लगकर श्रमिकों ने अस्थायी ठिकाना बना रखा था। कोर्ट रोड वाली साइट में चल रही खोदाई के कारण वहां पानी भरा और सहगल कॉलोनी की दीवार निमार्णाधीन कोठी नंबर-1 के अलावा कोठी नंबर-7 पर जा गिरी। कोठी नंबर-1 की झुग्गी में रह रहे चार श्रमिक दीवार के मलबे के नीचे दब गए। वर्षा की वजह से सभी झुग्गी में मौजूद थे।

दसवीं फेल ने महिला को डिजीटल अरेस्ट कर ठगे 38 लाख, आधार कार्ड में उलझाकर तीन माह तक की वसूली

नई दिल्ली। मुंबई साइबर क्राइम का सब इंस्पेक्टर बनकर दिल्ली की एक गृहिणी महिला को डिजीटल अरेस्ट कर उनसे 38 लाख रुपये ठगने के मामले में क्राइम ब्रांच ने दो मुख्य मास्टर माइंड को पानीपत से गिरफ्तार किया है। महिला के आधार कार्ड का उपयोग आपराधिक गतिविधियों में किए जाने की झूठी बात बताकर उन्हें और उनके आयकर विभाग में वरिष्ठ पद पर तैनात पति को गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। साजिश को अंजाम देने वाला दसवीं फेल है। ईमेल का पता लगा किया ट्रैक करीब तीन माह तक महिला को भयभीत कर ठग उनसे अलग-अलग बहाने पैसे ऐंठते रहे। डराने के लिए उनके वाट्स एप पर फर्जी एफआइआर और जाली गिरफ्तारी वारंट भेजे गए। शिकायत मिलने के बाद क्राइम ने एक ईमेल का पता लगा उसे ट्रैक करने के बाद जोमैटो से आरोपितों के घर का पता करके दोनों को दबोच लिया। फरीदाबाद में भी कर चुका है ठगी डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम शुभम शर्मा और मोहित है। दोनों पानीपत के रहने वाले

हैं। शुभम शर्मा रोजगार की तलाश में मोहित के संपर्क में आया था। उसने फर्जी दस्तावेज, जाली पैन कार्ड, फर्जी पते पर लिए गए मोबाइल और ईमेल आइडी का इस्तेमाल करके कई बैंक खाते खुलवाए। उसने आठ खातों में वित्तीय लेनदेन की बात स्वीकार की, जिन्हें फ्रीज करा दिया गया है। मोहित, दसवीं फेल है। आसानी से पैसा कमाने की तलाश में वह इस आपराधिक गतिविधि में शामिल हुआ। वह गरीब लोगों को पैसे देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाता था और ठगी गई धनराशि निकालने में उनकी मदद करता था। बाद में नकदी अपने सहयोगियों को सौंप देता था। भेजते रहे गिरफ्तारी के जाली वारंट वह पहले फरीदाबाद में इसी तरह के एक मामले में शामिल रहा है। वहां दोनों ने डिजीटल अरेस्ट कर एक महिला से 20 लाख की ठगी की थी। जनवरी में जमानत पर बाहर आने के बाद दोनों ने फिर से वारदात शुरू कर दी थी। शिकायतकर्ता एक गृहिणी महिला है। उन्हें एक ठग ने साइबर क्राइम, मुंबई से सब-इंस्पेक्टर प्रशांत शर्मा होने का दावा करते हुए, उनके आधार कार्ड का उपयोग करके आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। उसने व्हाट्सएप्प पर फर्जी एफआईआर, जाली गिरफ्तारी वारंट भेजकर उन्हें और उनके पति को गिरफ्तार करने की धमकी दी।

लिव-इन पार्टनर से हुआ विवाद... फिर तबस्सुम ने उठाया खौफनाक कदम, बेंगलुरु में बैठे पति के उड़े होश

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में न्यू अशोक नगर इलाके में लिव-इन पार्टनर से कहासुनी के बाद एक महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान तबस्सुम के रूप में हुई है। पुलिस को शव के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के एलबीएस अस्पताल में सुरक्षित रख दिया है। न्यू अशोक नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। लिव-इन पार्टनर विशाल गुप्ता से पूछताछ कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि न्यू अशोक नगर में एक महिला ने खुदकुशी कर ली है। घर का दरवाजा अंदर से बंद है। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा और महिला को फंदे से उतारकर एलबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला कि तबस्सुम का पति असमत बेंगलुरु में रहता है। पिछले सात-आठ साल से महिला पति से अलग होकर लिव-इन पार्टनर विशाल के साथ रह रही थी। महिला व उसके पार्टनर के बीच विवाद हुआ था। उसी दौरान महिला ने खुदकुशी कर ली।

बुमराह की अनुपस्थिति में सीरीज में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम चौथा टेस्ट साहसिक ढंग से ड्रा कराने के बाद नए उत्साह से इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है।

भारत और इंग्लैंड की टीमें गुरूवार को जब ओवल के मैदान पर उतरेंगी, तो बहुत कुछ दांव पर होगा। जहां पिछले मैच की ड्रॉ से उत्साहित भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज ड्रॉ कराने के लिए उतरेगी, वहीं इंग्लैंड की टीम इस मुकाबले को अपना बनाकर सीरीज को भी अपना बनाना चाहेगी। लॉर्ड्स और मैनचेस्टर टेस्ट का अंत बहुत नाटकीय ढंग से हुआ था और जिस तरह से ओवल में अभ्यास सत्र की शुरूआत हुई है, उससे इस मैच के भी बेहद ही रोचक होने की संभावना है।

मैनचेस्टर और ओवल टेस्ट के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है, इसलिए वकर्लोड मैनेजमेंट के कारण भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत करेंगे। चूंकि पिछले मुकाबले में डेब्यू करते हुए अंशुल कम्बोज प्रभावित नहीं कर पाए थे, इसलिए उनकी जगह आकाशदीप ले सकते हैं, जो कि जांघ की चोट से वापस आ रहे हैं।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया है कि यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि मेडिकल टीम ने बुमराह, भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के साथ मिलकर यह फैसला किया था कि वह इंग्लैंड दौरे के दौरान पांच में से केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। बुमराह हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में खेले, एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर बैठे, जिसे भारत ने जीता, और उसके बाद लॉर्ड्स और पिछले हफ्ते ओल्ड ट्रैफर्ड में हुए अगले दो टेस्ट में खेले।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन की सुबह से बुमराह ने कोई गेंदबाजी नहीं की थी और साथ ही आखिरी दो टेस्ट मैचों के बीच तीन दिन का ब्रेक भी है, ऐसे में भारत अपनी मूल योजना में बदलाव करने पर विचार कर सकता है, खासकर ओवल में जीत के साथ सीरीज 2-2 से बराबर करने की संभावना को देखते हुए।

उन्होंने 33 ओवरों में दो विकेट लिए, जो एक पारी में उनके द्वारा फेंके गए सर्वाधिक ओवर थे, और पहली बार उनके रनों का आंकड़ा 100 के पार पहुंचा। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, प्रत्येक टेस्ट की पहली पारी में 140 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदें फेंकने की संख्या भी हेडिंग्ले में 42.7 से घटकर लॉर्ड्स में 22.3 और ओल्ड ट्रैफर्ड में 0.5 हो गई।

बुमराह वर्तमान में सीरीज में 14 विकेट लेकर मोहम्मद सिराज के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि बुमराह अंतिम टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन दो दिन बाद भारत ने उन्हें आराम देने का फैसला किया। बुमराह की जगह कौन लेगा, यह मंगलवार को भारत के वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र में स्पष्ट हो गया।

कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप ने हरी-भरी अभ्यास पिचों पर गेंद को अच्छी तरह से सीम करते हुए आसानी से अपनी लय पकड़ ली। एजबस्टन में दूसरे टेस्ट में, जो दिसंबर में मेलबर्न के बाद उनका पहला टेस्ट था, आकाशदीप ने मैच में दस विकेट लिए, जिसमें इंग्लैंड की दूसरी पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ 99 रन देकर 6 विकेट लेना भी शामिल है, जिसमें उन्होंने एक हल्की पिच से मूवमेंट हासिल किया। हालांकि, लॉर्ड्स में अगले टेस्ट में, आकाश

को निरंतरता बनाए रखने में दिक्कत हुई, खासकर पवेलियन एंड से ढलान पर गेंदबाजी करते हुए।

उन्होंने टेस्ट में सिर्फ एक विकेट लिया, लेकिन द ओवल की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियां आकाश को जल्दी वापसी करने में मदद कर सकती हैं। फिर भी, गिल और गंभीर को गेंदबाजी आक्रमण में सही संतुलन बनाने की चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती मुख्य रूप से तीन अन्य तेज गेंदबाजों, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज, के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण है, जिन्होंने अब तक श्रृंखला में हिस्सा लिया है।

प्रसिद्ध दूसरे टेस्ट में जीत के बाद से नहीं खेले हैं, जबकि ठाकुर और कंबोज को ओल्ड ट्रैफर्ड में अपने पहले स्पैल के बाद बमुश्किल ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। बुमराह की अनुपस्थिति में, सभी टेस्ट खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज, सिराज, एक बार फिर तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे। सिराज ने इस श्रृंखला में तेज गेंदबाजों में चौथे सबसे अधिक ओवर - 139 - फेंके हैं, लेकिन उन्होंने अपनी तीव्रता कम नहीं होने दी है। भारत उनके कार्यभार और फिटनेस को लेकर चिंतित होगा, लेकिन उनके पास सिराज को खिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। फिर भी, भारत को तीसरे तेज गेंदबाज के बारे में फैसला करना होगा।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान के साथ खेलनें से किया इंकार, भारत का टूर्नामेंट में सफर हुआ समाप्त

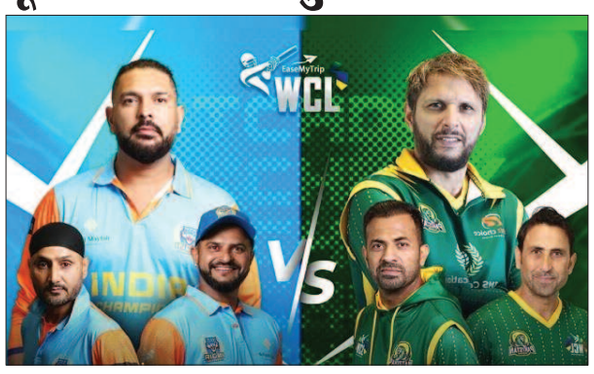

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) 2025 के बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला अब नहीं होगा। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा मैच में खेलने से इनकार करने के बाद यह फैसला लिया गया है। इस निर्णय के साथ ही भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चार टीमों ने जगह बनाई थी। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका। सेमीफाइनल मुकाबला 31 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बर्मिंघम में खेला जाना था, लेकिन अब यह मुकाबला नहीं होगा।

भारतीय खिलाड़ियों का खेलने से इनकार

पीटीआई के सूत्रों के अनुसार, भारत चैंपियंस लीग का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान चैंपियंस लीग के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने से इनकार कर दिया। इससे पहले ग्रुप स्टेज में भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं हो सका था। इस फैसले के पीछे भारतीय खिलाड़ियों की व्यक्तिगत और राष्ट्रीय भावना को अहम कारण माना जा रहा है, हालांकि आयोजकों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

मुरली श्रीशंकर की नजरें विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर की नजरे अब सितंबर में टोक्यों में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। इसके लिए वह अगले माह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे । श्रीशंकर ने हाल ही में पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट में माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता था।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की छलांग के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर कीछलांग लगाई। तीसरी छलांग में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला तय किया। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। गौरतलब है कि घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की थी। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली

रविंद्र जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर, अभिषेक टी20 में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई(एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी टेस्ट क्रिकेटरों की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढ़त हो गई है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर टी20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नंबर एक पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज शर्मा के अब 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के

साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और वार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में 'उसने 13 रेटिंग अंक हासिल किए है और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच बढत बना ली है।' इसमें कहा गया, पायदान चढ़कर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढकर 14वें स्थान पर हैं।'

वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढ़कर 65वें स्थान पर हैं जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे स्थान पर है। गेंदबाजों में चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले जोफ्रा आर्चर 38 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए हैं। क्रिस वोक्स एक पायदान ऊपर 23वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट दसवें और जाक क्रॉली 43वें स्थान पर आ गए हैं।

बेन स्टोक्स 5वें टेस्ट से बाहर, इंग्लैंड ने प्लेइंग 11 में किए बड़े बदलाव

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ द ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव हुए हैं। इंग्लैंड चयन समिति ने बुधवार को टीम में बदलावों की घोषणा की, जिसमें जैकब बेथेल, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग को टीम में शामिल किया गया है। स्टोक्स की अनुपस्थिति में कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ओली पोप को सौंपी गई है। टीम प्रबंधन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें स्पिनर लियाम डॉसन और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए सरे के गेंदबाज गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। जैकब बेथेल संभवत: छठे नंबर पर खेलेंगे, जिससे इंग्लैंड के मध्य क्रम में नई प्रतिभाएं जुड़ेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जेमी स्मिथ संभालेंगे, जो स्टंप के पीछे अपनी जगह बनाए रखेंगे। चोटिल बेन स्टोक्स की जगह ओली पोप को कार्यवाहक कप्तान नियुक्त किया गया है। बल्लेबाजी क्रम में जैक क्रॉली और बेन डकेट अपनी सलामी जोड़ी बनाए रखेंगे, उनके बाद पोप तीसरे और अनुभवी रूट चौथे नंबर पर होंगे।

सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये।' उन्होंने साथ ही कहा कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके पास आर अश्विन जैसा गेंदबाजी कौशल है। मुझे नहीं पता कि वह एक दिन उस जैसा गेंदबाज बनेगा या नहीं, लेकिन वह अभी जो कर रहा है वह काफी अच्छा है।

ओवल टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल का बयान, पिच क्यूरेटर से गौतम गंभीर की लड़ाई पर तोड़ी चुप्पी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला गुरुवार, 31 जुलाई से होने वाला है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ओवल मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से बहस के कारण चर्चा में हैं। इस मामले पर अब कप्तान शुभमन गिल की 5वें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस बीच गिल ने गंभीर और क्यूरेटर के बहस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

शुभमन गिल ने गंभीर और पिच क्यूरेटर की बहस पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेड कोच के साथ

बहस क्यों की। शुभमन गिल ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि कल क्या हुआ था और पिच क्यूरेटर ने ऐसा क्यों किया। हमने चार मैच खेले हैं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश नहीं की। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है और कोच और कप्तान कई बार विकेट देखने गए हैं। मुझे नहीं पता कि इतना हंगामा किस बात का था।

गिल ने कहा कि, अगर कोई क्यूरेटर हमें विकेट को न देखने या तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहता है, तो ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हम लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को करीब से देखने की अनुमति है। ये कोच और कप्तान का काम है। इसलिए, मुझे नहीं पात कि क्यूरेटर ने हमें ऐसा करने की अनुमति क्यों नहीं दी।

ईस्पोर्ट्स शतरंज विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में पहुँचे अर्जुन, फिरौजा, अरोनियन और कार्लसन

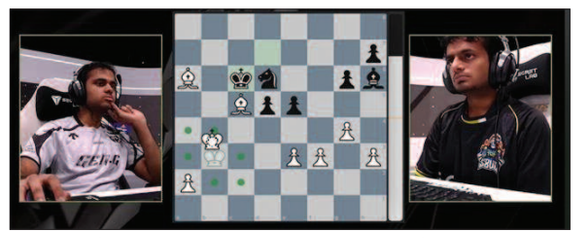

रियाद ,सऊदी अरब, । ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार शामिल शतरंज प्रतियोगिता के ग्रुप चरण पूरे हो चुके हैं और ग्रुप ए से यूएसए के लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट), ग्रुप बी से भारत के अर्जुन एरिगैसी (जेन जी ईस्पोर्ट्स), ग्रुप सी से फ्रांस के अलीरेज़ा फिरौजा (टीम फाल्कन्स) और ग्रुप डी से मैगनस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत के अर्जुन एरिगैसी ने पहले हमवतन निहाल सरीन (एस8यूएल) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के दिग्गज जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को आर्मागेडन मुकाबले में 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। अब निहाल को क्वार्टर फाइनल में पहुँचने के लिए नीदरलैंड के अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) और मैक्सिम के खिलाफ लूज़र ब्रैकेट में जीत हासिल करनी होगी। कंपटीशन का समय नियंत्रण 10 मिनट प्रति खिलाड़ी है, जिसमें कोई इन्क्रिमेंट नहीं है। खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और अपनी पसंद का संगीत सुनने की अनुमति दी गई है ङ्क जो आधुनिक ईस्पोर्ट्स शतरंज के अनुरूप है। कुल पुरस्कार राशि 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि शतरंज खिलाड़ियों को उनकी ईस्पोर्ट्स टीमों के जरिए 27 मिलियन डॉलर के साझा इनाम का भी हिस्सा मिलेगा। इस बार ग्रुप्स को चार शीर्ष खिलाड़ियों ङ्क जीएम इयान नेपोमनियाची, जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, जीएम हिकारू नाकामुरा और जीएम मैग्नस कार्लसन ङ्क द्वारा चुना गया, जिन्होंने बाक़ी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट के ज़रिए किया।

आईपीएल 2026 में बदलेगी एलएसजी की किस्मत, भरत अरुण बनेंगे फ्रेंचाइजी के गेंदबाजी कोच

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का दामन थाम लिया है। केकेआर से अलग होकर भरत अरुण अब एलएसजी के लिए गेंदबाजी कोच का जिम्मा संभालेंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अरुण पिछले कुछ सालों से केकेआर से जुड़े थे। साल 2025 में टीम आठवें स्थान पर रही। इसके चलते शाहरुख खान के स्वामित्व वाली ये फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है, जिसमें अभिषेक नायर और ड्वेन ब्रावो मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसी तरह चंद्रकांत पंडित और अरुण दोनों की अनुभवी जोड़ी अलग हो गई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भरत अरुण लखनऊ सुपर जाएंट्स के नए गेंदबाजी कोच नियुक्त किए हैं। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया कि हां, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

बता दें कि, पिछले सीजन में सातवें स्थान पर रहने के बाद एलएसजी अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। पिछले सीजन में एलएसजी की गेंदबाजी ने बेहतरीन प्रदर्शन नहीं किया था। मयंक यादव महज दो ही मैच खेल पाए। वहीं टीम के अन्य तेज गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ पाने में फेल रहे।

डेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है।

सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।' मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

शुभमन गिल पांचवें टेस्ट में बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड, 6000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

लंदन (एजेंसी)। भारत 31 जुलाई से ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच की तैयारी कर रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 6000 रन पूरे करने से केवल 32 रन दूर हैं। गिल ने 112 मैचों में 46.62 की औसत और 79.92 के स्ट्राइक रेट से 5968 रन बनाए हैं। उन्होंने 25 अर्धशतक और 18 शतक लगाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रहा है।

भारतीय कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 8 पारियों में 90.25 की औसत से 722 रन बनाए हैं। चौथे टेस्ट की तीसरी पारी में गिल ने 103 रनों की पारी खेली, जो इस सीरीज का उनका चौथा शतक था और यह पारी मुश्किल परिस्थितियों में खेली गई। इस शतक के साथ गिल डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर की बराबरी पर आ गए, जिन्होंने टेस्ट इतिहास में एक ही सीरीज में चार शतक जड़े हैं।

ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह कमाल किया था, जबकि गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में धमाल मचाया था। गिल ने यह उपलब्धि विदेशी धरती पर और कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में हासिल की। कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट सीरीज में किसी अन्य खिलाड़ी ने चार शतक नहीं लगाए हैं। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ तीन शतक थे, यह रिकॉर्ड खेल के पांच महान खिलाड़ियों वारविक आर्मस्ट्रांग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के नाम था।

गिल के 103 रन ओल्ड ट्रैफर्ड में 35 सालों में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया पहला शतक था जोकि 1990 में युवा सचिन तेंदुलकर के प्रतिष्ठित 119 रनों के बाद आया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के कुल आंकड़ों के लिहाज से गिल का रिकॉर्ड लगातार मजबूत होता जा रहा है। अब उनके पास WTC युग में नौ शतक हैं, जो रोहित शर्मा के बराबर है, हालांकि गिल ने रोहित के 69 की तुलना में 67 पारियों में ऐसा किया है।

फैशन को लेकर बेफिक्र रणदीप बोले, कपड़े नहीं, अंदाज मायने रखता है

बॉलीवुड एक्टर-फिल्ममेकर रणदीप हुड्डा ने कहा कि वह फैशन के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और अक्सर जो कपड़ा सबसे पहले दिखता है वही पहन लेते हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में रणदीप से पूछा गया, वह अपने फैशन फिलॉसफी को कैसे बयां करते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए रणदीप ने कहा, मेरे लिए ये सब मायने नहीं रखता और मैं इन सबके बारे में ज्यादा सोचता भी नहीं हूं। मुझे अलमारी में जो पहले दिख जाता है, मैं उसे पहन लेता हूं। 48 साल के इस अभिनेता का मानना है कि स्टाइल कपड़ों में नहीं बल्कि नजरिए में होता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके अंदर आत्म आत्मविश्वास है, तो आप कुछ भी आसानी से पहनो, अच्छा ही लगेगा।

उन्होंने कहा, शायद इसीलिए मेरा लुक थोड़ा रफ लगता है। मेरे ख्याल से कपड़े पहनने या चुनने में थोड़ी बेफिक्री होनी चाहिए, बहुत ज्यादा परफेक्ट या बनावटी नहीं होना चाहिए। सरबजीत फेम अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सब आपके व्यवहार पर निर्भर करता है, न कि इस पर कि आपने क्या पहना है। अगर आपका व्यवहार सही है, तो आप कुछ भी पहनो, अच्छा ही लगता है। रणदीप अपकमिंग अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है, और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप, दनाई गुरिरा, और कोरी स्टोल भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। रणदीप हुडा के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

ट्रोलिंग पर सख्त कानून चाहती हैं वाणी

वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रख रही हैं। खास बातचीत में उन्होंने अपने किरदार की गहराइयों, मानसिक चुनौतियों, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उससे उबरने के सफर को साझा किया। साथ ही उन्होंने साइबर ट्रोलिंग के खिलाफ सख्त कानून बनाने की भी खुली अपील की।

जब सीरीज ऑफर हुई तो क्या लगा था कि ये रोल करियर के लिए अहम साबित हो सकता है?

सच कहु तो, मैं किसी प्रोजेक्ट को ये सोचकर साइन नहीं करती कि इसके बाद मुझे लाइन लग जाएंगी या बहुत सारे प्रोजेक्ट्स आ जाएंगे। मेरे लिए उस कहानी और किरदार से एक इमोशनल जुड़ाव होना जरूरी होता है। ऐसी कहानियां मुझे आकर्षित करती हैं जिनमें किरदार की भावनाएं थोड़ी उलझी होती हैं। यह भी कुछ ऐसा ही था। इसमें बहुत सारी परतें थीं, बहुत कुछ एक्सप्लोर करने को था, कहानी में भी और मेरे किरदार में भी। ये एक ऐसा फिक्शनल वर्ल्ड था जो बहुत ही खूबसूरती से रचा गया था। इसमें माइथोलॉजी भी है, ड्रामा भी है और बहुत गहराई भी। इसमें इंसानी जज्बातों को समझने की कोशिश की गई है। ये कोई आम क्राइम शो नहीं है, बल्कि हर चीज के पीछे एक वजह है। ऐसे सवाल हैं जो हम अपने मन में सोचते हैं। एक किस्म की मिस्ट्री जिसे सुलझाना भी जरूरी है।

इस तरह के डार्क और इंटेंस कॉन्सेप्ट से जब आप जुड़ती हैं, तो क्या उसका असर निजी जिंदगी पर भी पड़ता है?

बिल्कुल पड़ता है। खासकर क्योंकि मैंने अब तक फिल्में ही की थीं, और ये मेरी पहली सीरीज है। सीरीज का मीडियम अलग होता है- जैसे फिल्म एक स्प्रिंट होती है, वैसे सीरीज एक मैराथन की तरह चलती है। इसमें एक इमोशनल कंसिस्टेंसी बनाए रखना होता है, क्योंकि आठ एपिसोड शूट करने हैं। आपको पूरे समय उसी किरदार जैसा महसूस करना होता है। ये एक तरह का मानसिक और साइकोलॉजिकल टोल भी लेता है, क्योंकि कहानी बहुत इंटेंस है।

फिल्मों और वेब सीरीज के काम करने के तरीके में आपको क्या फर्क लगा?

फिल्मों में शूटिंग जल्दी पूरी हो जाती है। किरदार के साथ आपका रिश्ता कुछ हफ्तों का होता है। आप रोल में उतरते हैं, उसे निभाते हैं और फिर अगली फिल्म की तरफ बढ़ जाते हैं। लेकिन वेब सीरीज एक लंबा सफर होती है। इसमें किरदार के साथ महीनों बिताने होते हैं। उसकी सोच, उसका मूड, उसका हर उतार-चढ़ाव आपको लगातार निभाना पड़ता है। यही चीज इस मीडियम को और भी दिलचस्प बनाती है, क्योंकि आप एक ही किरदार में धीरे-धीरे गहराई से उतरते हैं, बतौर ऐक्टर ये बहुत कुछ सिखा जाता है।

करियर की शुरुआत में आपको भी ट्रोलिंग या निगेटिव कमेंट्स का सामना करना पड़ा? उस वक्त आप कैसे डील करती थीं?

हां, बिलकुल हुआ है। शुरू में इसका असर भी होता था, क्योंकि जो कुछ भी कहा जाता है, वो सीधा आपके दिल को लग जाता है। लेकिन धीरे-धीरे मैंने ये समझा कि हर बात को सीरियस लेना जरूरी नहीं होता। अब मैं पहचान पाती हूं कि कौन सी बात में सुधार की गुंजाइश है और कौन सी बस यूं ही बोली गई है। अगर कोई मेरे काम को लेकर कुछ कहता है, तो मैं उस पर ध्यान देती हूं। लेकिन जब कोई ऐसी बात बोले जो मेरे हाथ में नहीं हैं, तो अब मैं उसे दिल पर नहीं लेती। कभी-कभी लोग बहुत पर्सनल हो जाते हैं और यही सबसे ज्यादा तकलीफ देता है। आजकल सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। मुझे लगता है कि वहां कुछ नियम होने चाहिए। क्योंकि जो ट्रोलिंग और हेटफुल बातें कही जाती हैं, वो सिर्फ एक्टर्स को नहीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज के बच्चों और आम लोगों को भी बहुत परेशान करती हैं। हमें इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और साथ ही ये भी देखना चाहिए कि कुछ सख्त कानून बनें, ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके जो जानबूझकर दूसरों को दुख पहुंचाते हैं। आगे चलकर हमें सोशल मीडिया को एक जिम्मेदार और सुरक्षित जगह बनाना होगा।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी हुमा की 'बयान'

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियों में छा गई है। अब हुमा कुरैशी की फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। 'बयान' को डिस्कवरी सेक्शन में चुना गया है। इस कैटेगरी में चुनी गई हुमा कुरैशी की 'बयान' इकलौती भारतीय फिल्म है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'बयान' का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर के महीने में होगा। हुमा कुरैशी स्टारर 'बयान' एक पुलिस थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन विकास रंजन मिश्रा ने किया है, जो इससे पहले 'चौरंगा' लिए जाने जाते हैं। हुमा कुरैशी इस फिल्म में एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं। हुमा कुरैशी के अलावा फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, परितोष, अविजीत दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पेरी छाबड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर निर्देशक विकास रंजन मिश्रा का कहना है कि 'बयान' एक समकालीन भारत की खूबसूरत झलक दिखाती है। जहां सत्ता और जेंडर जटिल और अक्सर अदृश्य तरीकों से एक-दूसरे से टकराते हैं।झ

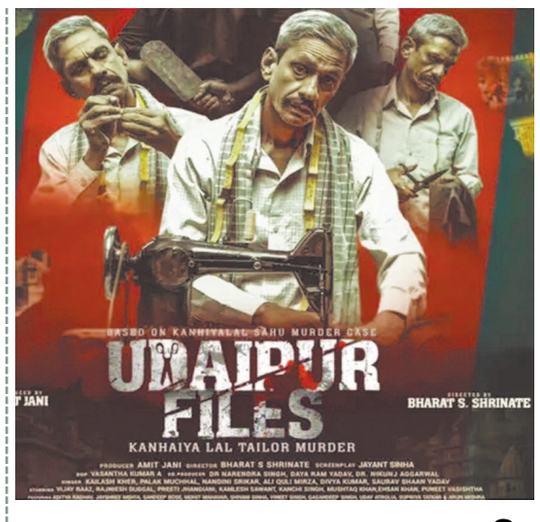

उदयपुर फाइल्स की रिलीज डेट पर लगी मुहर, कोर्ट ने हटाई रोक

काफी विवादों में रही विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स अब जल्द रिलीज होगी। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म में 6 बदलाव करने के आदेश दिए थे और अब इसकी रिलीज पर से रोक हटा ली गई है।

विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स रिलीज से पहले काफी विवादो में रही। राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म की रिलीज डेट फाइनली सामने आ गई है। ये फिल?म 11 जुलाई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन तमाम कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से इस फिल्म की रिलीज टल गई थी।

8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी उदयपुर फाइल्स

विजय राज स्टारर इस फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर सांप्रदायिक सद्भावना को भड़काने और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने की आशंका के बाद इसमें 6 अतिरिक्त बदलाव किए गए। ये अब 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म निर्माताओं ने दावा किया कि उन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिला है, जिसमें बोर्ड ने 55 सीन काटने का सुझाव दिया है। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी।

सुरवीन चावला ने एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए

सुरवीन चावला थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में खास बातचीत में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए।

डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन बातचीत के दौरान सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी। इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी-कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

मेंटल हेल्थ में बात करना बहुत जरूरी है

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जाननी जरूरी नहीं होती। मदद लीजिए। सबसे जरूरी है बात कीजिए। चाहे आपकी दुनिया छोटी हो या बड़ी, लेकिन बात जरूर कीजिए। ये ऐसा ही है जैसे कहना कि मुझे बुखार है, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। कम्युनिकेशन बहुत जरूरी है।

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है। जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं प्यार का पंचनामा (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते। इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म छोटी 2 में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे। इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। नुसरत भरूचा एलएसडी और ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों मे नजर आ चुकी हैं।

तुषार ने शुरू किया फिल्म मस्ती 4 का शूटिंग शेड्यूल

बालीवुड की चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइज मस्ती एक बार फिर दर्शकों को हंसाने आ रही है। साल 2004 में शुरू हुई इस सीरीज की चौथी किस्त मस्ती 4 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। अब इसमें एक नया चेहरा जुड़ गया है। है। इस फिल्म में तुषार कपूर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म में रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी और विवेक ओबेरॉय की मूल तिकड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। तुषार ने मीडिया से खास बातचीत में पुष्टि की कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा मैंने पहले भी तीनों कलाकारों के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है, इसलिए केमिस्ट्री को लेकर कोई चिंता नहीं थी। टीम ने बेहद गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया है और मुझे यकीन है कि हमारी ऑफ-स्क्रीन दोस्ती ऑन-स्क्रीन मस्ती में जरूर नजर आएगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।